डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-11 अंक-08 | प्रयागराज, रविवार 20 फरवरी 2022 से शनिवार 26 फरवारी 2022 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्यः 3 रूपये

सिनेमा :दीपिका पादुकोण ने अपनी सफलता के राज का किया खुलासा ,पेज न0 8

ब्रीफ न्यूज

यूक्रेन से तनाव के बीच रूस ने परमाणु अभ्यास के हिस्से के रूप में हाइपरसोनिक मिसाइलें की लान्च

मास्को। यूक्रेन से जारी तनाव के बीच रूस ने शनिवार को हाइपरसोनिक मिसाइल लान्च की हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके बेलारूसी समकक्ष की देखरेख में रणनीतिक परमाणु अभ्यास के हिस्से के रूप में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों का अभ्यास किया गया। ये मिसाइलें हवा और पानी दोनों में हमला करने में माहिर है। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) ने इस बात की जानकारी दी है। क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि वार्षिक अभ्यास में किंजल और सिकीन हाइपरसोनिक मिसाइलों और कई अन्य हथियारों का प्रक्षेपण किया गया है।

जिस फोर्स पर रूस को धमकी दे रहे हैं बाइडन उसमें जानें- यूएस समेत अन्य देशों की क्या है स्थिति

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच जिस तरह से हालात खराब हो रहे हैं उसको देखते हुए आने वाले दिनों में क्या कुछ देखने को मिलेगा इस बारे में कह पाना काफी मुश्किल हो गया है। हालांकि रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की शुरुआत करने वाले देश अब तक केवल रूस को धमकी देने तक ही सीमित हैं। इतना ही नहीं अमेरिका जो इस मामले में काफी आक्रामक बयानबाजी कर रहा था वो भी केवल वहीं तक सीमित है। इसके अलावा खुद यूक्रेन की ही बात करें तो वो नाटो फौज को लेकर भले ही खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है लेकिन उसका भी रवैया अब तक काफी कुछ ऐसा ही रहा है। बीते दो दिनों में इस मामले में जहां अमेरिका ने पौलेंड को टैंकों की बिक्री करने की घोषणा की है तो वहीं दूसरी तरफ नीदरलैंड ने हेलमेट समेत अन्य सैन्य साजो-सामान यूक्रेन को देने की बात की है। विभिन्न एजेंसियों की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यूक्रेन में रूस की तरफ से हमले जारी हैं। बहरहाल, इस तनाव में नाटो का नाम बार-बार सामने आता रहा है। नाटो इस तनाव की एक अहम कड़ी भी है। इसलिए इसके बारे में जानना जरूरी हो जाता है। आपको बता दें कि नाटो दुनिया के करीब 30 देशों का एक संगठन है जिसमें अधिकतर देश यूरोप के ही हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा-आतंकवाद पर भाजपा ने अपनाया जीरो टालरेंस नीति जबकि सपा रखती है फुल संरक्षण की सोच

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में उन्होंने सपा पर गंभीर

आरोप लगाए, जिसमें उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मामले में भाजपा जीरो टालरेंस नीति अपनाती है, जबकि सपा फुल संरक्षण की सोच रखती है। उन्होंने 2008 अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले पर बोलते हुए कहा कि इसके तार उत्तर प्रदेश के सपा नेताओं के साथ जुड़े हुए हैं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 2008 अहमदाबाद ब्लास्ट मामले का जिक्र करते हुए कहा कि यह तब हुआ था, जब नरेंद्र मोदी गुजरात के सीएम थे। इस आतंकवादी हादसे में 56 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। उन्होंने सपा को आड़े हाथों लेते हुए इस मामले से सपा नेताओं का संबंध जोड़ा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि अदालत का फैसला आने के बाद वे सब चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। 49 दोषियों को सजा सुनाई गई, जिसमें 38 को मौत की सजा, जबकि 11 को उम्रकैद की सजा दी गई है।' केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जब आतंकवाद की बात आती है, तो भाजपा का रवैया और मानसिकता हमेशा जीरो टालरेंस का रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) आतंकवाद पर पूरी सुरक्षा का स्टैंड लेती है।'

अफगान सिख हिंदूओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनाई आपबीती, देशीयकरण की समस्या दूर करने के लिए किया धन्यवाद

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर अफगानिस्तान के सिख-हिंदू प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। यह मुलाकात दिल्ली स्थित पीएम आवास पर की गई, जिसमें प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने पीएम मोदी को अफगानी अंदाज में साफा पहनाया। इसके साथ उन्होंने पीएम मोदी को पंजाबी भाषा में एक स्मृति चिन्ह के साथ तलवार भेंट की। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद, बिगड़े हुए हालातों के बीच अफगान सिख हिंदू प्रतिनिधिमंडल ने भारत में शरण देने के लिए पीएम का आभार व्यक्त किया। वहीं एक दिन पहले, पीएम मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और धर्मगुरुओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की थी। अफगानिस्तान निवासी तरेंद्र सिंह, जो 1989 में भारत में स्थानांतरित होकर आए थे। उन्होंने कहा, 'हमने पीएम मोदी को काबुल में अपने हालात से अवगत कराया। हमारी मुख्य समस्या देशीयकरण थी, हम अपनी नागरिकता के लिए इध उधर भटकते रहे। इसलिए हमने सीएए लाने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया।

कोरोना मामलों में लगातार आ रही गिरावट, 1.8 फीसद पर आई पोजिटिविटी दर, कल के मुकाबले 14 फीसद घटे केस

नई दिल्ली । कोरोना की तीसरी लहर अब खत्म होती दिख रही है। पिछले कई दिनों से कोरोना के मामलों में लगातार कमी आ रही है। केंद्रीय स्वास्थय मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 22,270 नए मामले सामने आए हैं। कल के मुकाबले आज 14 फीसद कम केस आए हैं। पोजिटिविटी दर भी अब 1.8 फीसद पर आ गई है। कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों का आंकड़ा भी लगातार कई दिनों से 60000 का आंकड़ा पार कर रहा है। 24 घंटे में 60298 लोग ठीक होकर कोरोना को मात दे चुके हैं। जानकारी के अनुसार अब कोरोना के कुल एक्टिव केसों की

संख्या भी घटकर 2,53,739 पर आ गई है। इस दौरान मौत के आंकड़ों में भी कमी आई है। बीते 24 घंटे 325 लोगों ने जान गंवाई है। गौरतलब है कि कल 492 लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि कोरोना से ठीक होने वालों की कुल संख्या अब 4,20,37,536 हो गई है। जबकि कोरोना से देशभर में कुल मौतों का आंकड़ा अब 5,11,230 पहुंच गया है। भारत का कुल कोरोना टीकाकरण एक वर्ष की अवधि में 175.03 करोड़ पर पहुंच गया है। बता दें कि देश में बीते वर्ष 16 जनवरी से यह राष्ट्रव्यापी अभियान के तौर पर शुरू किया गया था। गौरतलब है कि शुरुआत में स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए गए थे, फिर फ्रंटलाइन कर्मियों को पहली डोज मिली थी। वहीं अब देश के लोगों को पहली डोज लगने का आंकड़ा भी 100 फीसद पूरा होने वाला है।

हिजाब नियम का विरोध कर रही 10 छात्राओं पर FIR, धारा 144 के उल्लंघन का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं जिसके चलते वहां कई जगह निषेधाज्ञा भी लागू की जा चुकी है। इसी बीच पुलिस ने शुक्रवार को तुमकुर जिले में कुछ छात्राओं के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। पुलिस का आरोप है कि 10 लड़कियां गर्ल्स एम्प्रेस गवर्नमेंट पीयू कालेज के बाहर हिजाब नियम के खिलाफ

विरोध प्रदर्शन कर रही थीं। पुलिस ने इनपर सीआरपीसी की धारा 144 के तहत जारी निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में आईपीसी की धारा 149, 143, 145, 188 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। बता दें कि हिजाब विवाद के बाद कर्नाटक हाई कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि जिस शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड लागू हैं, वहां हिजाब, भगवा शाल या किसी अन्य धर्म से जुड़े वस्तुएं पहनकर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। साथ ही राज्य सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक पोशाक को प्रतिबंधित करने वाला एक सर्कुलर भी जारी किया है बता दें कि हिजाब विवाद के बाद कर्नाटक हाई कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि जिस शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड लागू हैं, वहां हिजाब, भगवा शाल या किसी अन्य धर्म से जुड़े वस्तुएं पहनकर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। साथ ही राज्य सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक पोशाक को प्रतिबंधित करने वाला एक सर्कुलर भी जारी किया है। गौरतलब है कि कर्नाटक पुलिस ने कांग्रेस नेता मुकर्रम खान के खिलाफ कलबुर्गी में हिजाब पर एक विवादित बयान देने पर केस दर्ज किया है। बता दें कि दो दिन पहले ही कांग्रेस नेता का वीडियो सामने आया था जिसमें वह कह रहे थे कि 'जो भी हमारे बच्चों को हिजाब पहनने से रोक रहे हैं, उनके टुकड़े-टुकड़े किए जाएंगे।' इस बयान को लेकर ही पुलिस ने उनपर केस दर्ज किया है।

स्मृति ईरानी ने मणिपुर को 100 करोड़ का स्टार्टअप फंड देने का किया ऐलान कांग्रेस पर मणिपुर को एटीएम की तरह इस्तेमाल करने का लगाया आरोप

इंफाल। मणिपुर के चुनाव में अब कुछ ही दिन बाकी हैं, इसी के मद्देनजर पार्टियां जोर शोर से चुनाव प्रचार कर रही हैं। पार्टियों द्वारा नई-नई घोषणाएं की जा रहीं है। इसी

बीच आज केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मणिपुर में स्टार्टअप्स के लिए अलग से फंड बनाने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने भारत में 60,000 स्टार्टअप के निर्माण को बढ़ावा दिया है। स्मृति ने वादा करते हुए कहा कि यदि भाजपा राज्य में सरकार बनाती है तो वह मणिपुर में स्टार्टअप्स के लिए 100 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड बनाएगी। बता दें कि शुक्रवार को स्मृति ईरानी मणिपुर में बीजेपी उम्मीदवार ओकराम हेनरी सिंह के लिए प्रचार कर रहीं थी। उन्होंने इस दौरान भाजपा के पिछले सात वर्षो के कार्य भी गिनवाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि क्या राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी ने देश में कम से कम 60 स्टार्टअप के निर्माण के लिए माहौल बनाने का प्रबंधन किया। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी के परिवार ने मणिपुर को एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया लेकिन पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना शुरू की जिसके तहत 11 करोड़ किसानों को हर साल 6,000 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो किसानों को अतिरिक्त 2000 रुपये देगी। मुफ्त की घोषणाओं की सूची बढ़ाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वालों को मुफ्त लैपटाप सरकार देगी और जो किशोर कॉलेज जाना चाहते हैं और जो लड़कियां आगे की पढ़ाई करना चाहती हैं उन्हें मुफ्त स्कूटी मिलेगी। गौरतलब है कि मणिपुर में चुनाव 28 फरवरी और 5 मार्च को होंगे और वोटों की गिनती 10 मार्च को होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक सिख और हिंदू प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, उपहार के रुप में भेंट की 'कृपाण'

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर अफगानिस्तान के सिख-हिंदू प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इससे पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने सिख धर्मगुरुओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। ये मुलाकात पीएम आवास पर हुई थी। दरअसल, पिछले साल अगस्त के मध्य में तालिबान द्वारा देश पर कब्जा करने के बाद से सिख-हिंदू समाज के लोग अफगानिस्तान में उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्तियों और धर्मगुरुओं के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। इस दौरान पीएम मोदी ने नामधारी संप्रदाय के एक आध्यात्मिक नेता उदय सिंह के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर भी ट्विटर पर शेयर की थी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, संत समाज और सिख समुदाय की प्रतिष्ठित हस्तियों से मुलाकात हुई।

आतंकी साजिश को लेकर ईं की बड़ी कार्रवाई, जम्मू कश्मीर और राजस्थान समेत 8 जगहों पर छापेमारी, 28 गिरफ्तार

नई दिल्ली । आतंकी साजिश को नाकाम करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने आज देश के कई हिस्सों में छापेमारी की है। एनआइए ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में जम्मू-कश्मीर आतंकवाद साजिश मामले में आठ स्थानों पर तलाशी ली है। आतंकवाद निरोधी एजेंसी एनआइए ने जम्मू-कश्मीर के सोपोर, कुपवाड़ा, शोपियां, राजौरी, बडगाम, गांदरबल और राजस्थान के जोधपुर जिले सहित जिलों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान एनआइए ने विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, सिम कार्ड और डिजिटल स्टोरेज डिवाइस जब्त की हैं। एनआइए द्वारा की गई छापेमारी का यह मामला प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेएम), हिज्ब-उल के कैडरों द्वारा जम्मू-कश्मीर और नई दिल्ली सहित अन्य प्रमुख शहरों में हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की योजना और साजिश से संबंधित है। साथ ही हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम), अल बद्र और उनके सहयोगी जैसे द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) और पीपल अगेंस्ट फासिस्ट फोर्सेज (पीएएफएफ) जैसे कई आतंकी संगठन भी शामिल हैं। एनआइए ने अब तक इस मामले में

28 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, पिछले दिनों जम्मू कश्मीर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए-मोहम्मद के ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम करने वाले कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया था कि ये माड्यूल युवाओं को भर्ती करने, फंड की व्यवस्था करने, दक्षिण और मध्य कश्मीर में हथियारों के ट्रांसपोर्टेशन के अलावा अन्य सहायता प्रदान करने में सक्रिय था। इस मामले की अधिक जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया था कि गिरफ्तार किए गए लोग अन्य रसद सहायता प्रदान करने के अलावा, दक्षिण और मध्य कश्मीर में युवाओं की भर्ती, वित्त की व्यवस्था और हथियारों के परिवहन में सक्रिय थे। जांच एजेंसी ने तलाशी के दौरान, सेल फोन, सिम कार्ड और एक डमी पिस्टल भी जब्त की थी।

दिल्ली, राजस्थान और पंजाब समेत देश के इन हिस्सों में बारिश का अलर्ट पहाड़ों में होगी बर्फबारी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में इन दिनों मौसम साफ है। दिन में तेज

धूप निकलने से लोगों को ठंड से भी राहत मिली हुई है। वहीं, एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। देश के कई हिस्सों में अगले कुछ दिनों में बारिश होने की उम्मीद जताई जा रही है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 22 और 23 फरवरी को बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने शनिवार को भविष्यवाणी की कि भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में बारिश हो सकती है। इस अवधि में पश्चिम हिमलायी क्षेत्र में भी बर्फबारी होने की भी संभावना जताई गई है। पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं और 22 फरवरी को यहां हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके पड़ोसी राज्य चंडीगढ़-हरियाणा, दिल्ली और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में भी 22 और 23 फरवरी के बीच 19, 20 और 22 फरवरी को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में तेज हवाएं (25-35 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी लोग अपने मत का प्रयोग अवश्य करें-मण्डलायुक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराजा । मण्डलायुक्त श्री संजय गोयल एवं जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत सेंट एंथोनी इण्टर कालेज में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। सेंट एंथोनी कालेज में छात्राओं द्वारा बनायी गयी रंगोली का अवलोकन किया तथा कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर किया। मण्डलायुक्त ने जनपद में व्यापक स्तर पर चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के लिए जिलाधिकारी की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सबका मतदान करना आवश्यक है, इससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, जो भी वोटर है, वे अपना मतदान अवश्य करें तथा अपने परिवार तथा अपने आस-पास के लोगो को वोटिंग करने के लिए प्रेरित करें तथा जो अभी वोटर नहीं है, वे भी अपने परिवार, परिचित तथा आस-पास के लोगो को वोटिंग करने के लिए प्रेरित करें, तभी तो एक अच्छी सरकार का चयन होगा। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप ही देश के भविष्य है तथा सभी लोगो से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग मतदान अवश्य करें, जिससे सशक्त सरकार का चयन हो। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए 27 फरवरी को मतदान अवश्य करें। सभी लोग अपने परिवार सहित अन्य लोगो को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इंसान के पास आजादी है कि वे स्वतंत्र होकर अपने मत का प्रयोग कर सकता है। मतदान करने का अधिकार है, यही तो लोकतंत्र है। उन्होंने मूवी का उदाहरण देते हुए कहा कि एक्टर को बीच-बीच में समस्यायें बहुत आती है, लेकिन अन्त में विजय प्राप्त कर ही लेता है। अगर आप कठिन परिश्रम करेंगे, तो आपको अंतरात्मा से बहुत खुशी मिलेगी। इसलिए जो भी मतदाता है, वे अपना मतदान अवश्यक करें तथा जो मतदाता नहीं है वे अपने परिवार तथा आस-पास के लोगो को मतदान के प्रति प्रेरित करें। तत्पश्चात किदवई गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं ने गीत के माध्यम से लोगो को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने मतदाता जागरूकता अभियान में अच्छा कार्य करने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया तथा वहां उपस्थित लोगो को मतदान करने की शपथ दिलायी। इस अवसर पर अपर नगर मजिस्टेट्रट प्रथम श्री शुभम श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री आर0एस0 विश्वकर्मा, दिव्यांगजन अधिकारी श्री नन्द किशोर सहित कालेज की प्रधानाचार्य के अलावा कालेज की छात्रा/छात्राएं उपस्थित रही। स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत श्री अनुपम परिहार एवं एकता तिवारी को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा किया गया।

दारागंज थाना क्षेत्र के चुंगी के पास श्री राम स्वीट्स एंड भोजनालय के 5 होटलकर्मी दम घुटने से बीमार हो गए

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज । प्रयागराज के दारागंज थाना क्षेत्र के चुंगी के पास श्री राम स्वीट्स एंड भोजनालय के 5 होटलकर्मी दम घुटने से बीमार हो गए जिसमें से एक व्यक्ति जो जामो अमेठी का रहने वाला विजय उर्फ मोनू 21 वर्ष की मौत हो गई है,तथा मध्य प्रदेश रीवा के चाकघाट के रहने वाले मुनिराज पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं तथा स्वरूपरानी में उनका इलाज चल रहा है। जबकि शशि शंकर और प्रदीप आंशिक रूप से घायल हैं और इनका इलाज सरदार पटेल चिकित्सालय में हो रहा है। बताया जा रहा है कि कल रात को खाना खाने के बाद यह पांचो होटल का किचन बंद करके सो गए। सुबह जब इन्होंने होटल का किचन नहीं खोला तो होटल के मालिक जो कि ऊपर ही रहते थे, दरवाजा खटखटाया जब उन्हें किसी प्रकार की कोई आवाज नहीं मिली तो उन्होंने लोगों की सहायता से किसी तरीके से दरवाजा खोला, जहां पांचों गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े हुए थे। आनन फानन में सभी को पास के सरदार पटेल

चिकित्सालय में भेजा गया, जहां विजय उर्फ मोनू की मौत हो गई। पुलिस की कार्रवाई करते हुए मोनू उर्फ विजय की बॉडी अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा वहां पर गंभीर रूप से घायल मुनिराज को स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत काफी गंभीर बताई जा रही है घायल शशि ने जानकारी देते हुए बताया कि हम लोग खाना खाने के बाद थोड़ी देर बैठे रहे उसके बाद सो गए। उसके बाद हमारे साथ क्या हुआ इस बारे में हमें कुछ नहीं मालूम है, जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में था।

माघ मेला मे जल पुलिस द्वारा किया गया सराहनीय कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । माघ मेला प्रयागराज में श्रद्धालुओं/सननार्थियों के सुरक्षित संगम सनन सम्पन्नकराने हेतु जल पुलिस व 'फ्लड' कम्पनी के जवानों द्वारा निरन्तर जल में भ्रमण करते हुये कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जवानों द्वारा 'मोटर बोट' के माध्यम से गस्त करते हुये श्रद्धालुओं को सावधानी पूर्वक सनन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। अरैल घाट की तरफ अकस्मात एक व्यक्ति आत्महत्या करने के आशय से नये यमुना पुल से यमुना नदी में कूद गया और डूबने लगा शोर और कोलाहल सुनकर ड्यूटी पर तैनात 12वी वाहिनी पीएसी बी दल में नियुक्त आरक्षी अरुण कुमार यादव व आरक्षी अनोखे सिंह द्वारा तत्काल प्रतिक्रिया करते हुये अपनी जान को जोखिम में डालकर अदम्य साहस का परिचय देते हुये उपलब्ध संशाधनों से डूबते हुये व्यक्ति को बचाया गया। जवानों द्वारा तत्काल मौके पर एम्बुलेंस बुलाकर उक्त व्यक्ति को सम्यक प्राथमिक उपचार दिया गया। प्राथमिक उपचार के उपरान्त उक्त व्यक्ति से परिचय प्राप्त किया गया जिसने अपना नाम मो0 शाद पुत्र कबीर उद्दीन उम्र करीब 33 वर्ष निवासी ग्राम-मलाव खुर्द फूलपुर प्रयागराज का होना बताया तत्पश्चात उक्त कर्मियों द्वारा इसकी सूचना माघ मेला कन्ट्रोल रूम को दी गई। बाद सम्यक उपचार डूब रहे उक्त व्यक्ति को उसके भाई के सुपुर्द किया गया। उपस्थित जनमानस व परिजनों द्वारा जवानों के किये गये जीवनरक्षक व साहसिक कार्य की भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र द्वारा जवानों के किये गये सराहनीय कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया।

20 फरवरी को भी दिव्यांग 80 वर्ष वाले करेगें मतदान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने बताया कि 20 फरवरी को भी 106 दिव्यांग एवं 80 वर्ष से अधिक के मतदाता मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में निर्वाचन आयोग द्वारा दी गयी व्यवस्था के क्रम में एवीएससी एवं एवीपीडी मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से घर पर ही मतदान कराया जायेगा। उन्होंने बताया है कि जो दिव्यांग एवं 80 वर्ष के अधिक के मतदाता मतदान केन्द्र पर आने में असमर्थ है जिन्होंने फार्म 12डी भर कर आवेदन किया है ऐसे मतदाताओं का मतदान कराया जायेगा। उन्होने बताया है कि दिनांक 20 फरवरी को 106 दिव्यांग/80 वर्ष के अधिक मतदाताओं का मतदान विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत घर पर ही कराया जायेगा। उन्होंने बताया है कि विधानसभा क्षेत्र प्रतापगढ़ के 15, रामपुरखास के 06, बाबागंज (अ0जा0) के 13, पट्टी के 15, विश्वनाथगंज के 13 व रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के 44 दिव्यांग/80 वर्ष से अधिक मतदाताओं का मतदान घर पर कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने मतदान को सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से कराने हेतु सम्पन्न कराने हेतु विधानसभावार नामित पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारी प्रथम, माइक्रो आब्जर्वर को निर्देशित किया है कि विधानसभा क्षेत्रों के निर्धारित स्थलों पर वाहन से मतदाता के घर पर जाकर मतदान को स्वतंत्ररूप से, निष्पक्षतापूर्वक, शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करायेगें, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता कदापि न बरती जाये। मतदान के दौरान वीडियोग्राफी भी करायी जाये।

वृद्धावस्था पेंशन बैंक खाते को आधार से करायें लिंक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। वृद्धावस्था पेंशन के लिए लाभार्थियों को अपने खाते को बैंक में आधार से लिंक करवाना होगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि वृद्धावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत जनपद प्रतापगढ़ के समस्त लाभार्थियों को जिस खाते में पेंशन प्राप्त हो रही है, उस बैंक खाते में आधार नम्बर को लिंक करायें, यदि बैंक खाते में आधार लिंक नही होता है तो भविष्य में पेंशन की धनराशि प्राप्त नहीं होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं पेंशन धारक की होगी।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। थाना अध्यक्ष फूलपुर अमित राय द्वारा मय हमराह टीम के थाना फूलपुर में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 51/ 2022 के वांछित अभियुक्त सूरज सोनकर पुत्र स्वर्गीय कल्लू सोनकर उम्र 25 वर्ष निवासी परासिनपुर थाना फूलपुर को शनिवार सुबह 6:30 बजे लोचन गंज तिराहा फूलपुर से 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। गिरफ्तारी टीम में थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय, रि0 का0 शिवम यादव, म0का0 प्रिया यादव आदि मौजूद रहे।

सभी बूथों पर मतदान के दिन रखें कड़ी निगरानी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी निर्वाचन अधिकारी ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश दिया है कि मतदान के दिन सभी बूथों पर कड़ी निगरानी रखें कहीं किसी भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण, निर्विघन एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल द्वारा कल देर सायंकाल महुली मण्डी परिसर में प्रभारी अधिकारियों एवं निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने मतदान पार्टियों के रवानगी, उनको सामग्री का वितरण तथा मतदान के बाद वापस आने पर उनको ईवीएम व अन्य सामग्री जमा कराने की व्यवस्था, मतदाता पर्ची वितरण, बूथ निर्माण, माइक्रो आब्जर्वर, वेबकास्टिंग, वीडियो रिकार्डिंग की व्यवस्था तथा मतदान के निर्वाचन अधिकारी द्वारा कन्ट्रोल रूम के निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने प्रभारी अधिकारी ईवीएम को निर्देश दिया कि सेक्टर मजिस्ट्रेट को मतदान हेतु दी गयी ईवीएम की वापसी हेतु अफीम कोठी में अपना कन्ट्रोल रूम बनाकर जमा करायें, उस ईवीएम को महुली मण्डी में कदापि नही जमा कराया जायेगा। जमा करायी गयी ईवीएम मशीनों को आयोग के निर्देशानुसार सी एवं डी श्रेणी के हिसाब से ईवीएम को सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जमा कराने का दायित्व प्रभारी अधिकारी ईवीएम/ अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग का होगा। उन्होने सभी निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया कि पार्टियों की रवानगी के लिये कर्मचारियों की टेबलवार तैनाती कर ली जाये। डिस्पैच में लगे हुये कर्मचारियों की ट्रेनिंग 23 फरवरी को सेन्ट एन्थोनी इण्टर कालेज में करायी जायेगी, जो कर्मचारी टेबलवार डिस्पैच करते समय लगाये जायेगें वहीं कर्मचारी मतदान के बाद पीठासीन अधिकारी से सामग्री प्राप्त करेगें। उन्होंने सभी निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि डिस्पैच करते समय पीठासीन अधिकारियों को आयोग के निर्देशानुसार वांछित सामग्री उपलब्ध करायी जाये तथा कर्मचारियों को हिदायत दी जाये कि पीठासीन अधिकारियों को निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के हस्ताक्षर तथा अनुपस्थित मतदाताओं की सूची भी विशेष रूप से उपलब्ध करायी जाये। उन्होने कहा कि एक टेबल पर 20 पार्टियों को सम्बद्ध किया जाये। मतदाता पर्ची वितरण के सम्बन्ध में समीक्षा करते हुये डी0एम0 ने निर्देश दिया कि सभी निर्वाचन अधिकारी अपने एक एआरओ के निर्देशन में वोटर गाइड तथा मतदाता पर्ची बीएलओ के माध्यम से वितरण कराना सुनिश्चित करें। बूथवार तैयार की गयी ए0एस0डी0लिस्ट का मतदाता रजिस्टर से मिलान अवश्य कर लिया जाये। बूथ निर्माण की समीक्षा करते हुये उन्होंने निर्देश दिया कि सभी बूथों पर पर्याप्त फर्नीचर, लाइट की व्यवस्था तथा पेयजल की व्यवस्था रखी जाये। सभी बूथों को मतदान के पूर्व सेनेटाइज कराने हेतु जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया। सभी मतदान केन्द्रों पर हेल्प डेस्क बनायी जायेगी जिस पर आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री तैनात की जायेंगी जिनके पास स्कैनर थर्मामीटर, मास्क, सेनेटाइजर आदि व्यवस्थायें रखी जायेगी। मुख्य चिकित्साधिकारी को उपर्युक्त व्यवस्था समय से करने का निर्देश दिया। आयोग द्वारा निर्वाचन अधिकारियों को बूथों की निगरानी हेतु कानफिडेन्स बिल्डिंग के अन्तर्गत कन्ट्रोल रूम स्थापित किया जाये जहां पर वेबकास्टिंग कराये जा रहे बूथों का सजीव प्रसारण देखा जा सके। इसके अतिरिक्त संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों की निगरानी हेतु माइक्रो आब्जर्वर की तैनाती तथा वेबकास्टिंग की जायेगी व बूथों की वीडियो रिकार्डिंग के साथ ही साथ स्टैटिक मजिस्ट्रेट निगरानी हेतु लगाये जायेगें।जनपद के सभी बूथों पर मतदान के दिन कड़ी निगरानी रखी जायेगी ताकि कहीं कोई अव्यवस्था न हो सके। माइक्रो आब्जर्वर की तैनाती हेतु जिलाधिकारी ने सभी आर0ओ0 को निर्देशित किया कि वह विधानसभावार किसी भी अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित कर दें जो अपने प्रेक्षक के निर्देश के अनुसार माइक्रो आब्जर्वर की ट्रेनिंग एवं उनकी रिपोर्ट संकलन करने हेतु उत्तरदायी रहें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, समस्त प्रभारी अधिकारी व निर्वाचन अधिकारी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम फूलपुर एवं क्षेत्राधिकारी फूलपुर ने सर्किल के थानाध्यक्षों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली फूलपुर के प्रांगण में उपजिलाधिकारी अम्बरीश कुमार बिंद एवं क्षेत्राधिकारी फूलपुर रामसागर के नेतृत्व में सर्किल के सभी थानाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक की गयी। इस बैठक के माध्यम से क्षेत्र के सभी थानों के अंतर्गत अति संवेदनशील एवं संवेदनशील पोलिंग बूथों एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विषय में सभी थानाध्यक्षों से जानकारी प्राप्त करते हुए दिशा निर्देश दिया। कि आप सभी लोग अपने थानों के अंतर्गत ऐसे सभी वांछित एवं अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की निगरानी बराबर करते रहें एवं क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल बनाते हुए लोगों से संपर्क करते हुए अधिक से अधिक मतदान करने के लिए लोगों को प्रेरित करें तथा आम जनमानस में प्रशासन का सहयोग बनाए रखने में लोगों को विश्वास दिलाएं। जिससे मतदान के दिन कोई अप्रिय घटना जैसे बूथ कैपचरिंग, हिंसक वारदात या किसी को मतदान देने से जबरन रोकना आदि कार्य ना होने पाए।

एक अनूठी शादी, बरातियों को रिटर्न गिफ्ट में मिले पौधे, पर्यावरण संरक्षण का भी दिलाया संकल्प

प्रयागराज। हाईटेक युग में बड़े बजट और खर्चीली शादियां का चलन शहर से लेकर गांव तक बढ़ गया है। शादियों में आने वाले मेहमानों को रिटर्न गिफ्ट देने की एक परंपरा भी शुरू हो गई है। वहीं कुछ शादियों में ऐसा नया कुछ हो जाता है जो लोगों के लिए चर्चा का विषय भी बन जाता है। ऐसी ही एक अनूठी शादी प्रतापगढ़ जनपद में भी हुई। इस शादी समारोह में भी रिटर्न गिफ्ट बरातियों को दिया गया हालांकि यह कुछ अलग थी। यह तोहफा एक सीख थी और पर्यावरण को बचाने की मुहिम थी। प्रतापगढ़ जनपद में मानिकपुर के तिवारीपुर गांव निवासी राम आधार मौर्य के बेटे की शादी हुई।और सत्कार भी हुआ। वैदिक मंत्रों के बीच विवाह की रस्म भी हुई। अब आई विदाई की बेला। विदाई में रिटर्न गिफ्ट के तौर पर मेहमान बरातियों को रिटर्न गिफ्ट के रूप में पौधे दिए गए। पर्यावरण का संदेश देने वाले 500 से ज्यादा पौधे भेंट किए गए। इन पौधों

आगामी चुनाव हेतु प्रबुद्धजनों की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

बारा (प्रयागराज)। क्षेत्र के जसरा ब्लॉक अन्तर्गत तातारगंज में प्रबुद्ध वर्ग की एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में समाज के लिए उपयोगी प्रत्याशी के चयन पर चर्चा हुई। विशेषकर ब्राह्मण समाज की बेहतरी के लिए किसने क्या क्या किया, इस पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लालमणि पांडेय ने कहा कि वर्तमान में बारा से प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों की घोषणा हो चुकी है। ब्राह्मण समाज को एकजुट होकर अपने समाज के हितों को ध्यान में रखकर प्रत्याशी का चयन करना सबकी प्राथमिकता होगी। बीते वर्षो में बारा के ब्राह्मणों की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए सूर्यनिधान पांडेय ने कहा कि आगामी 23 फरवरी को एक विशाल ब्राह्मण सभा आयोजित की जाएगी। वो सभा निर्धारित करेगी कि कौन सा विकल्प हमारे समाज के लिए बेहतर है। बैठक में कन्हैया लाल मिश्र पूर्व डी सी एफ अध्यक्ष, माताबदल मिश्रा, रामधनी पाठक, एडवोकेट गया प्रसाद त्रिपाठी, अभिषेक मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, दिनेश तिवारी, सोमनाथ किसान नेता, मुकेश मिश्रा अध्यक्ष ब्राह्मण महासंघ प्रयागराज, प्रदीप द्विवेदी, दिनेश पाठक, दया शंकर दुबे, नीरज शुक्ला मवइया, प्रेम नारायण पाण्डेय, बाल्मीकि मिश्रा, जगदम्बा शुक्ला, राजकुमार शुक्ला देवरा, एडवोकेट दिनेश चौकठा, श्याम तिवारी, विष्णु शुक्ला, कमला द्विवेदी सहित दर्जनों प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

जयमाल मंडप में जुनूनी प्रेमी ने भरी दुल्हन की मांग खुद पर भी चाकू से किया हमला तो मची खलबला

प्रयागराज। शादी के सीजन में रोज ही अजीबों गरीब किस्से सामने आ रहे हैं। ताजा मामला प्रतापगढ़ का है जहां उदयपुर के चाहिन गांव में शुक्रवार रात शादी समारोह में जयमाल के दौरान दुल्हन को अपनी प्रेमिका बताते हुए एक युवक ने अचानक आकर उसकी मांग में सिंदूर भर दिया, फिर सबके देखते ही देखते खुद पर चाकू से हमला कर लिया। उससे खलबली मच गई। खबर पाकर पहुंची पुलिस घायल को अस्पताल ले गई। जुनूनी प्रेमी की इस कारगुजारी के बाद आनन फानन शादी कराकर दुल्हन को बरात संग विदा कर दिया गया। चाहिन गांव में रहने वाली दो सगी बहनों की शादी राजस्थान के अरलव जिले के नारायणपुर में रहने वाले दो सगे भाइयो के साथ तय की गई थी। शुक्रवार शाम दोनों भाई बरात लेकर चाहिन गांव पहुंच गए। शादी की रस्मों को पूरा किया जाने लगा। रात करीब 10 जयमाल होने लगा। जयमाल मंडप में दोनों दूल्हों के साथ दुल्हनें बैठी थीं। एकाएक तभी यह वाकया हुआ जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। गांव का एक युवक अचानक जयमाल स्टेज पर पहुंची और एक दुल्हन की मांग में सिंदूर भरकर चीखते हुए कहने लगा कि वह उसकी प्रेमिका है। दोनों एक दूसरे को चाहते हैं, लेकिन अब उसकी शादी किसी और से की जा रही है। घरवालों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने चाकू निकाला और खुद पर कई वार कर लिए। युवक ने चाकू से गले पर भी वार किया जिससे खून बहने लगा। चीख पुकार मच गई। उसे जयमाल स्टेज से दूर ले जाया गया। इस बीच उदयपुर थाने की पुलिस आ गई। घायल युवक को उसके परिवार के लोगों के साथ प्रताप बहादुर अस्पताल भेजा गया। इधर, इस घटनाक्रम के बाद दोनों बहनों का विवाह जल्दबाजी में संपन्न कराकर उनकी विदाई कर दी गई। दुल्हनों के साथ बराती राजस्थान रवाना हो गए लेकिन यह घटना हर तरफ चर्चा में है।

कुछ संरोधन स्थलों से हटाया गया प्रतिबंध

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी के पत्र को संज्ञान में लेकर डीएम ने 4 फरवरी को संरोधन/कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित कर दिया था। जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी ने लोहिया नगर सणडवा चण्डिका, फरेदू कुंडा,जहानपुर मान्धाता, पिपरी खालसा सराय गनई,सगरा ढलाई प्रतीक अपार्टमेंट,पश्चिमी सहोदरपुर,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैंपस लालगंज के बगल के क्षेत्रों को संरोधन क्षेत्र घोषित किया था।इन क्षेत्रों के मरीजों के ठीक हो जाने के कारण डीएम ने 17 फरवरी को इन संरोधन क्षेत्रों को लाक डाउन से मुक्त कर दिया है। अब इन क्षेत्रों में आवाजाही कायम हो सकेगी।

ओवैसी एवं बाबू सिंह कुशवाहा की जनसभा 22 को

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। भागीदारी परिवर्तन मोर्चा की प्रतापपुर विधानसभा प्रत्याशी मंजू मौर्या की एक विज्ञप्ति के अनुसार आगामी 22 फरवरी को बैरिस्टर असदउद्दीन ओवैसी एवं बाबू सिंह कुशवाहा की संयुक्त सभा दिन 2 बजे मोहीउद्दीनपुर सराय ममरेज प्रतापपुर में है। उक्त सूचना जे ए पी प्रत्याशी मंजू मौर्या द्वारा प्राप्त हुई। इस संबंध में ए आई एम आई एम के जिला अध्यक्ष शाह आलम से बात करने पर उन्होंने बताया कि अभी जिला कार्यालय पर कोई अधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

जमानत पर जेल से रिहा हुए समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष प्रतापगढ़ जानें क्यों किया गया था गिरफ्तार

प्रतापगढ़। एससी-एसटी के मुकदमे में बंद सपा के जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव यूपी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच कोर्ट से जमानत मंजूर होने पर शनिवार को जेल से रिहा हो गए। जेल पर करीबी और पार्टी के पदाधिकारी तथा कई कार्यकर्ता छविनाथ को लेने पहुंचे थे। प्रतापगढ़ में मालीपुर थाना क्षेत्र के मऊ दारा गांव निवासी समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले में वे करीब तीन महीने से जेल में बंद थे। कोर्ट से जमानत मिलने पर वह शनिवार को जेल से रिहा हो गए। प्रतापगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए की गई व्यवस्था में एवीएससी एवं एवीपीडी मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से घर पर ही मतदान कराया जायेगा। दिव्यांग एवं 80 वर्ष के अधिक के मतदाताओं की असमर्थता को देखते हुए उनका घर पर ही मतदान कराया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन बंसल ने बताया कि 20 फरवरी को 106 दिव्यांग एवं 80 वर्ष के अधिक मतदाताओं का मतदान विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत घर पर ही मतदान कराया जायेगा।

जनपद में कुछ जगहों पर 14 दिनों तक रहेगी लॉक डाउन की पाबंदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। सीएमओ के पत्र के अनुसार कुछ जगहों पर मिले कोरोना पॉजिटिव लोगों को दृष्टि में रखकर जिलाधिकारी ने उन जगहों पर 14 दिनों के लिए लाक डाउन/कंटेनमेंट क्षेत्र घोषित किया है जिलाधिकारी ने बताया कि कोतवाली नगर के चारू नर्सिंग होम के 25 मीटर की परिधि में, धरमपुर मांधाता में नीतीश कुमार के आवास से 25 मीटर की परिधि में,ईसीपुर थाना अंतू के विषुण देवी के आवास के 25 मीटर की परिधि में,पुराना माल गोदाम रोड प्रतापगढ़ शहर के त्रिजल श्रीवास्तव के आवास की 30 मीटर की परिधि में तथा पुराना माल गोदाम रोड के ही शांभवी के आवास की 25 मीटर की परिधि में कंटेनमेंट क्षेत्र/ लॉकडाउन लागू रहेगा।

पीएम स्वनिधि योजना से रोजगार को मिली नई उड़ान

प्रयागराज। कोरोना वायरस संक्रमण काल में लाकडाउन के दौरान व्यापार ठप हो गया था। इससे सबसे अधिक असर ठेला-पटरी दुकान लगाने वालों पर पड़ा था। कोरोना काल में बचत के पैसे खाने में खत्म हो गए थे। लाकडाउन हटा लेकिन व्यापार जस का तस ठप पड़ा रहा। दुकानदारों के सामने सबसे बड़ा संकट था कि वह रुपये का जुगाड़कर अपने व्यवसाय को फिर से शुरू कर सकें। व्यापारियों के डूबती उम्मीदों को नई रोशनी सरकार की स्वनिधि योजना ने दिया। इस योजना ने छोटे दुकानदारों को उनका खोया सम्मान पाने और रोजगार को फिर से शुरू करने में मदद की। पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभ पाने के बाद छोटे वेंडरों के जीवन में आए बादलाव को जानने के लिए जागरण की टीम की जानें पड़ताल। इलाहाबाद के शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र स्थित कटरा बाजार निवासी प्रदीप सब्जी का ठेला लगाते थे। लाकडाउन खत्म होने के बाद उनके पास पूंजी नहीं थी कि वह अपना कारोबार फिर से शुरू कर सकें। ऐसे में स्वनिधि योजना के तहत अधिकारियों ने उनसे मिलकर फार्म भरवाया और पैसे दिलाए। प्रदीप कहते हैं कि आस खत्म हो चुकी थी कि रोजगार को दोबारा शुरू कर पाऊंगा। किसी से सूद पर पैसा लेने ही वाला था कि सरकार की मदद से मेरा व्यापार फिर से उठा खड़ा हुआ। बिना भागदौड़ के पैसा मिला था।

वाराणसी के बड़ागांव में महिला की सिर कूचकर हत्या, फारेंसिक टीम और डाग स्क्वाड जांच में जुटी

वाराणसी। बड़ागांव थाना क्षेत्र के अनौरा गांव में गुरुवार की सुबह घर से पांच सौ मीटर की दूरी पर खुन से लथपथ महिला की लाश मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्यारों ने महिला के सिर और चेहरे को इस तरह कूंचा था कि काफी देर तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी थी। बाद में मृतका के भाई राजकुमार ने उसकी शिनाख्त अपनी विधवा बहन मीना कुमारी (40) वर्ष के रूप में किया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस फारेंसिक और डाग स्क्वाड की टीम के साथ जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस और लोगों के अनुसार संभवतः महिला की हत्या संपत्ति विवाद को लेकर किया गया है। जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के अनौरा गांव निवासी स्वर्गीय मताब चौहान की पुत्री मृतका मीना कुमारी की शादी आज से 20 वर्ष पूर्व जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना मुरादगंज निवासी स्वर्गीय हीरालाल के साथ हुई थी। शादी के 10 वर्ष बाद मृत महिला के पति की मौत हो गयी उसके बाद से ससुराल में पारिवारिक वाद विवाद होने लगा। इससे तंग आकर महिला मायके में अपने इकलौते पुत्र गोलू के साथ अलग मकान बनाकर रहने लगी। मृतका एक माह पूर्व अपने ससुराल गयी थी और बुधवार को ही पुनः मायके वापस लौटी थी और उसी रात अज्ञात हत्यारों ने इस घटना को अंजाम दे दिया। ग्रामीणों के अनुसार आज सुबह गांव के लोग टहलने निकले थे तो एक निजी संस्था के प्लाट के चारदीवारी के पास महिला की खून से लथपथ लाश को देखकर शोर मचाना शुरू किया। जिससे काफी भीड़ एकत्रित हो गयी। सिर और चेहरा कुचल दिये जाने के कारण काफी देर तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी। गांव में इस बात की चर्चा रही कि मृतका महिला ने ससुराल की अपनी कुछ जमीन पूर्व में बेच दिया था। शेष जमीन को बेचने का प्रयास कर रही थी। मृतका का पुत्र गोलू अपने बुआ के घर रामनगर में रहता है पुलिस संपत्ति विवाद सहित हत्या के अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।

वाराणसी कैंट से पूजा यादव, उत्तरी से अशफाक अहमद डब्लू बने सपा उम्मीदवार

वाराणसी। समाजवादी पार्टी ने नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले देर रात अपनी शेष दो सीटों पर प्रत्याशियों को टिकट दे दिया। इसमें कैंट विस क्षेत्र से समाजवादी महिला सभा की महानगर अध्यक्ष पूजा यादव पर भरोसा जताया है तो शहर उत्तरी सीट से अशफाक अहमद डब्लू को टिकट दिया है। कारोबारी परिवार की बहू पूजा 2014 से पार्टी में विभिन्न पदों पर रही हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वहीं अशफाक 2012 में कैंट से विस चुनाव लड़ चुके हैं। पिछली बार सपा ने दक्षिणी से टिकट दिया था, लेकिन बाद में यह सीट समझौते में कांग्रेस के पास चली गई थी। डब्लू होटल और स्क्रैप कारोबारी हैं इस प्रकार वाराणसी में लंबे समय से प्रतीक्षा के बाद अंतिम दिन से पूर्व समाजवादी पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी कर दी गई है। वहीं वाराणसी के आठ सीटों में अजगरा से सुनील सोनकर को सपा और सुभासपा का साझा उम्मीदवार बनाया गया है तो दूसरी ओर शिवपुर से सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर चुनावी मैदान में हैं। वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से कुल आठ में छह उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में पार्टी की ओर से उतारा गया है। इस प्रकार अब नामांकन के अंतिम दिन वाराणसी कैंट से पूजा यादव और शहर उत्तरी सीट से अशफाक अहमद डब्लू का नामांकन किया जाना तय हो चुका है। नामांकन के अंतिम दिन होड़ और जोड़-तोड़ : विधानसभा चुनाव के सातवें चरण में गुरुवार को नामांकन का अंतिम दिन है। इसमें सपा-भाजपा जैसे प्रमुख दलों के प्रत्याशी पर्चा दाखिल करेंगे। कारण यह कि इनके टिकट की घोषणा एक दिन पहले बुधवार को की गई। सीमित समय में तैयारी के साथ उन्हें तय अवधि में नामांकन करना है। इससे कलेक्ट्रेट में अंतिम दिन नामांकन की होड़ होगी। इसके साथ सभी सीटों पर पर्चा दाखिला पूरा हो जाएगा और महासमर के महारथी मैदान में होंगे। इससे चुनावी जंग पूरी तरह से रंग में आ जाएगी।

दो गांवों को जोड़ने वाला पीपा पुल तैयार नहीं

मुहम्मदाबाद (गाजीपुर) । क्षेत्र के बच्छलपुर-रामपुर पीपा पुल का निर्माणाधीन पायल (एप्रोच) बनाने का कार्य पूरा न होने से आवागमन बहाल होने को लेकर संशय है। जिस तरह से पानी के बहाव में बालू की बोरी डालने के बाद उस पर एप्रोच बनाने का प्रयास किया जा रहा है, यह कितने दिन चलेगा ठिकाना नहीं है। पुल को चालू करने में क्षतिग्रस्त लकड़ी के स्लीपर के अलावा कमजोर बल्ली लगाई जा रही है, जो किसी बड़ी दुर्घटना की वजह बन सकता है। इसके बावजूद अभी पुल से आवागमन शुरू होने में और इंतजार करना होगा। तहसील क्षेत्र से गंगा पार के जमानिया, सेवराई तहसील के गांवों व सीमावर्ती बिहार प्रांत के गांवों तक आवागमन के लिए शासन की ओर से करीब दो दशक पूर्व बच्छलपुर-रामपुर गंगा तट पर पीपा पुल स्थापित किया गया। शासन के मुताबिक अक्टूबर के दूसरे सप्ताह के बाद पुल से आवागमन शुरू होने व 15 जून के बाद पुल को खोलकर हटा देना है। इस वर्ष गंगा के जलस्तर बढ़ने के साथ ही दोनों किनारों के बीच की चौड़ाई बढ़ जाने से पुल बनाने के लिए रखे गए 105 पीपा जोड़ने के बाद भी पुल तैयार नहीं हो सका। विभाग की ओर से काफी हाथ पांव चलाकर सात पीपा पुल बलिया के नौरंगा घाट से व चार जनपद के चोचकपुर घाट से मंगाया गया।

हादसे में आभूषण व्यवसायी समेत दो की मौत, लगाया जाम

गाजीपुर। जिले में दो स्थानों पर हुए हादसों में आभूषण व्यवसायी सहित दो लोगो की मौत हो गई। सैदपुर के नसीरपुर गांव में गाजीपुर-वाराणसी फोरलेन पर शुक्रवार की सुबह सीएनजी टैंकर के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने फोरलेन पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे बाद उपजिलाधिकारी ओमप्रकाश गुप्ता व सीओ बलिराम प्रसाद ने समझाकर जाम खत्म कराया।सैदपुर : बड़िहारी गांव निवासी युवक आशीष उर्फ बहादुर यादव (27) घर पर खेतीबारी व दूसरों की गाड़ी चलाकर जीविकोपार्जन करता था। सुबह वह डीजल लेने के लिए नसीपुर पेट्रोलपंप पर गया था। डीजल गैलेन में लेकर बाइक पर पीछे बांधकर पेट्रोल पंप के सामने फोरलेन पर गाड़ी घुमा रहा था। इसी दौरान वाराणसी की तरफ से आ रहे सीएनजी टैंकर से धक्का लगकर गिर गया और वाहन उसके पैर के ऊपर से गुजरने से मौके पर उसकी मौत हो गई। टैंकर चालक पेट्रोलपंप पखड़ाकर भाग निकला। घटना से आक्रोशित आसपास के लोगों ने फोरलेन पर जाम लगा दिया। कुछ ही देर में घरवाले भी पहुंच गए और मुआवजा की मांग करते हुए शव रोड पर रखकर जाम कर दिया। कुछ ही देर में दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। कोतवाल तेजबहादुर सिंह ने समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण नहीं माने। करीब डेढ़ घंटे बाद एसडीएम व सीओ ने पहुंचकर समझाया और शासन स्तर से मिलने वाली सहायता दिलाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण माने और जाम हटाया। वह चार भाईयों व दो बहनों में पांचवें नंबर पर था। मृतक के पिता दीनानाथ समेत सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी बीनू रोते-रोते बेहोश हो जा रही थी। बहादुर हेलमेट लगा रखा था। रेवतीपुर ताड़ीघाट- बारा हाईवे के बड़ी पुलिया के पास गुरुवार की देर शाम गाजीपुर से आ रहा बाइक सवार आभूषण व्यवसायी शैलेंद्र वर्मा (26) निवासी त्रिलोकपुर सड़क हादसे में घायल हो गया। पुलिस घायल को ग्रामीणों के सहयोग से जिला अस्पताल ले गई ,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक वह गाजीपुर की तरफ से अकेले बाइक से तेज रफ्तार आ रहा था। रेवतीपुर थाने के ठीक सामने हाईवे पर क्षतिग्रस्त पुलिया पर पहुंचते ही बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई जिसके चलते बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया । स्वजन के मुताबिक वह छह भाइयों में तीसरे नंबर पर था। बड़े भाई की दस साल पहले ही मौत हो चुकी है। शैलेंद्र के पिता अपने पूरे परिवार के साथ करीब पांच वर्ष पहले गहमर थाने के खुदरा पथरा गांव में जाकर बस गए थे। परिवार का भरणपोषण वह आभूषण की दुकान से चलता था। घटना की जानकारी होते ही पिता सुरेश वर्मा व मां मुनने देवी व उसकी पत्नी सुमन बदहवास हाल में थे। उसकी शादी दो वर्ष पहले ही हुई थी। एक वर्ष का बेटा है। तोड़फोड़ का प्रयास असफल सैदपुर में हादसे के बाद जाम के दौरान कुछ उपद्रवी युवकों ने वाहनों को तोड़ने फोड़ने का प्रयास किया लेकिन कुछ नागरिकों के समझाने पर मान गए।

संकटों से मुक्ति दिलाएगा संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, 20 फरवरी को श्रीगणेश की कृपा पाने का अवसर

वाराणसी । फागुन कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकटों से मुक्ति की कामना से प्रथम पूज्य भगवान गणेश की आराधना- साधना की जाती है। इसका मान संकष्टी गणेश चतुर्थी के रूप में है। यह व्रत पर्व इस बार 20 फरवरी को मनाया जाएगा। चंद्रोदय रात 9.25 बजे होगा। ज्योतिर्विद विमल जैन के अनुसार फागुन कृष्ण चतुर्थी तिथि 19 फरवरी को रात 9.57 बजे लग रही है जो 20 फरवरी की रात 9.06 बजे तक रहेगी। श्रीगणेश जी की पूजा अर्चना चंद्रोदय के पश्चात भगवान चंद्रमा को अर्घय देकर किया जाएगा, इसके बाद ही व्रत पूर्ण होगा। पूजन विधान : संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर अपने समस्त दैनिक कृत्यों से निवृत्त होना चाहिए। तत्पश्चात अपने आराध्य देव का स्मरण कर दाहिने हाथ में जल, पुष्प, फल, गंध, कुश आदि लेकर संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत का संकल्प लेना चाहिए। संपूर्ण दिन निराहार रहते हुए व्रत की शाम पुनः सनन कर स्वच्छ वस्त्र धार कर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख होकर गणेश जी का पंचोपचार, दशोपचार या षोडशोपचार से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। श्रीगणेश जी को दुर्वा व मोदक अति प्रिय है। इसलिए उन्हें दुर्वा की माला, ऋतु फल, मेवा व मोदक अवश्य अर्पित करना चाहिए। करें स्तुति भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने के लिए उनकी महिमा में यशगान के रूप में श्रीगणेश स्तुति, संकटनाशन श्रीगणेश स्तोत्र, श्रीगणेश अथर्वशीर्ष, श्रीगणेश सहस्त्रनाम, श्रीगणेश चालीसा व श्रीगणेश से संबंधित अन्य स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। गणेश जी से संबंधित मंत्र का जप विशेष लाभकारी होता है। मान्यता है कि श्रीगणेश अथर्वशीर्ष का प्रातःकाल पाठ करने से रात के समस्त पापों का नाश होता है। संध्या समय पाठ करने से दिन के सभी पापों का शमन होता है। यदि विधि-विधान पूर्वक एक हजार पाठ किए जाएं तो मनोरथ की पूर्ति के साथ ही धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

वाराणसी में ट्रेन के नीचे गिरी महिला, आईआरसीटीसी के कर्मचारियों ने बचाई जान

वाराणसी। रेलवे स्टेशनों पर हादसों का क्रम कोई नया नहीं है, वाराणसी में बुधवार को ऐसा ही मामला सामने आया जहां पर ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में एक महिला ट्रेन के नीचे आ गई। वहीं स्टेशन पर मौजूद आइआरसीटीसी के कर्मचारियों ने दौड़कर महिला की जान बचाने का प्रयास किया। अगर आइआरसीटीसी के कर्मचारियों ने जल्दबाजी न की होती तो महिला की जान भी जा सकती थी। देखते ही देखते यह वीडियो इंटरनेट में वायरल हो गया और लोग जल्दबाजी में जान गंवाने को लेकर चर्चा कर रहे हैं। कैंट स्टेशन स्थित प्लेटफार्म नंबर पांच पर बुधवार को चलती ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में एक महिला नीचे आ गई। मौके पर मौजूद आईआरसीटीसी के कर्मचारियो ने तत्परता दिखाते हुए उसे पटरी से बाहर निकाला। वरना किसी अप्रिय घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई और इंटरनेट मीडिया में भी वायरल हो गई। इस बाबत लोग वीडियो को शेयर कर खूब चर्चा भी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार हावड़ा से पठानकोट जानी वाली गाड़ी संख्या 12331 हिमगीरी एक्सप्रेस दोपहर 2.37 बजे प्लेटफार्म नंबर पांच पर प्लेस हुई थी। निश्चित समय का ठहराव लेकर ट्रेन चलने लगी। कुछ यात्री प्लेटफार्म पर ही खड़े रह गए। इस दौरान पूर्वी छोर पर एक दंपति ने दौड़कर ट्रेन की वातानुकुलित बोगी में चढ़ने का प्रयास किया। यह देख आईआरसीटीसी के स्थानीय प्रभारी सुबोध श्रीवास्तव ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। जिसे अनदेखा कर महिला बोगी में चढ़ने का प्रयास करने लगी। अचानक संतुलन बिगड़ने से वह फिसलकर पटरी और प्लेटफार्म के बीच गिर गई। आधा हिस्सा नीचे चला गया। वहां मौजूद आईआरसीटीसी के स्थानीय प्रभारी सुबोध श्रीवास्तव और उनके सहयोगी मो. असलम उसे बचाने के लिए कूद पड़े। महिला यात्री का श्वेटर मजबूती से पकड़ लिया। यह नजारा देख प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। लोको पायलट और गार्ड को आवाज लगाई। ट्रेन निकाला गया। संयोगवश महिला को खरोंच तक नहीं आई। दंपति ने कर्मचारियो का आभार जताया और उसी ट्रेन में बैठ कर प्रस्थान कर गए। स्टेशन परिसर में आईआरसीटीसी के कर्मचारियो की प्रशंसा हो रही है।

'त्रिनेत्र' पर चढ़े 1800 बदमाश, एक क्लिक पर दिखेगी कुंडली

बलिया। पुलिस महकमे में भी वक्त के साथ काफी बदलाव हुआ है। यह निरंतर जारी है। हर क्षेत्र में डिजिटलीकरण की बयार के बीच पुलिस विभाग भी खुद को अपडेट करने में लगा है। इसी के तहत एक मोबाइल ऐप इस समय खाकी का मददगार साबित हो रहा है। बात हो रही है त्रिनेत्र ऐप की। इसके जरिए एक क्लिक में किसी भी बदमाश की कुंडली देखी जा सकती है। जनपद में अब तक लगभग 1800 अपराधियों की जानकारी ऐप पर अपलोड कर दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर इससे पुलिस अधिकारियों को पल भर में जानकारी मिल जाएगी। पुलिस विभाग ने पिछले दस वर्षों के दौरान हुए आपराधिक मामलों से जुड़े अभियुक्तों का डिजिटल डोजियर बनाया है। इसके तहत पुलिस अपराधियों के घर-घर गई। उनका सत्यापन करने के साथ गतिविधियों के बार में जानकारी हासिल की गई। इसमें हत्या, लूट, फिरौती अपहरण, चेन सनेचिग, चोरी, गैंगस्टर आदि के मामलों में नामजद या प्रकाश में आए अपराधी शामिल हैं। डोजियर में कई बिदुओं पर जानकारी दी गई है। अपराधी का नाम, वर्तमान ठिकाना, जमानतदार, वर्तमान पेशा आदि जानकारी जुटाई जा रही है। इससे अपराध पर नियंत्रण में आसानी होगी। इस बात की भी जांच की गई कि अपराधी की मृत्यु तो नहीं हो गई। यदि जिदा है तो उसकी शारीरिक अवस्था कैसी है। वह प्रदेश से बाहर रहता है या जेल में या जमानत पर है। इनकी वर्तमान स्थिति के आधार पर निरोधात्मक कार्रवाई की जाती है। जनपद के सभी छह सर्किल में आपराधिक रिकार्ड वाले अभियुक्तों का भौतिक सत्यापन कराया गया है । दस वर्षों में विभिन्न अपराधों में संलिप्त लोगों का डोजियर बनाया गया है जिसे त्रिनेत्र ऐप पर अपलोड किया जा चुका है।

आखिरी सांस ले रहीं बांस की कलाकृतियां

रसड़ा (बलिया) । बदलते परिवेश में बांसों का घोर अभाव होता जा रहा है। वहीं शासन-प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के चलते बांस की कलाकृतियां आखिरी सांस ले रही हैं। इससे बंसफोर बिरादरी के लोग धीरे-धीरे भुखमरी के कगार पर आते जा रहे हैं। इनके न तो आवास का ठिकाना है और न ही सरकारी योजनाओं का लाभ इन्हें मिल रहा है। ऐसे में खुले आसमान के नीचे प्लास्टिक की छत डाल परिजनों संग किसी तरह जीवन की गाड़ी खींच रहे हैं। पेपर मिलों में जब से बांसों की खपत होने लगी तब से इस बिरादरी की दुश्वारियां और बढ़नी शुरू हो गई हैं। पहले जो बांस इन्हें 30 से 40 रुपये मिल जाते थे वही अब 250 से 300 रूपये में मिल रहे हैं। बड़ी बात यह है कि बांस के लिए इन्हें सुदूर क्षेत्रों में जाना पड़ता है। इनके द्वारा बनायी गई कलाकृतियां महंगी होती जा रही हैं। नतीजा आज इतनी कीमत कोई देना भी नहीं चाह रहा है। पहले बांस की कलाकृतियों को बनाने का धंधा बारहों महीने चलता था लेकिन अब महंगाई ने इसे सीमित कर दिया है। इनका स्थान अब प्लास्टिक की डलिया, डोलची व खंचिया ने ले रखा है। शादी-विवाह में डाला और छठ पूजा के समय दउरी के लिए ही इन्हें याद किया जाता है। सुपली की डिमांड पहले बहुत थी लेकिन इसका भी स्थान पीतल ने ले लिया है। नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ रसड़ा नगर में मुख्य रूप से गांधी मार्ग पानी टंकी रोड स्थित बंसफोर बस्ती में इनकी आबादी बढ़कर अब लगभग 300 से अधिक हो गई है। बिरादरी के जितेंद्र, राजकिशोर, चंद्रिका ने बताया कि हमनी के आगे-पीछे केहू नइखे, सरकार त हमनी के बारे में कुछ नइखे सोचत। बांस बिना हम लोग भूखे मर रहे हैं। अधिकांश के पास राशन कार्ड तक नहीं है। महिला गीता, लक्ष्मीना, चिता, किरन, संयोगी, चिता आदि ने बताया कि बस्ती में आलम यह कि सभी लोग झुग्गी में ही रहने को विवश हैं। कुछ लोगों को आवास की पहली किस्त मिली तो जरूर है किंतु नींव तक ही सिमट कर रह गया है। साफ-सफाई का हाल बेहाल है।

यूपी को 679.81 करोड़ के तीन पुलों को मुफ्त जमीन देगी बिहार सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक ब्यूरो

बलिया । बिहार से कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सुकून भरी खबर है। तीन बड़े पुलों के अप्रोच मार्ग के निर्माण में आ रही बाधा दूर की जाने लगी है। बिहार सरकार अब मुफ्त जमीन देने के लिए राजी हो गया है। सरयू नदी में तीन साल से बन रहे खरीद-दरौली घाट पुल के अप्रोच मार्ग के लिए करीब 500 मीटर भूखंड पीडब्लूयूडी बलिया को हैंडओवर कर दिया गया है। अब चांदपुर और शिवपुर पुल के अप्रोच मार्ग के लिए भी मुफ्त में जमीन देने के लिए बिहार सरकार ने सहमत जताई है। चूंकि निर्माण कार्य अंतिम पड़ाव पर है, इसलिए बहुत जल्द प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश सेतु निगम हैंडओवर कर देगा। संपर्क मार्ग का निर्माण पीडब्लूयूडी को करना है। 679.81 करोड़ की तीनों परियोजनाओं के लिए अब प्रमुख अभियंता लखनऊ ने सिवान और छपरा के डीएम को पत्र लिख दिया है। कहा है कि अविलंब भूखंड हैंडओवर की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए। प्रकरण में सिवान प्रशासन की ओर से दरौली घाट के पहुंच मार्ग के लिए कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने जिला भू अर्जन पदाधिकारी से जमीन का चिह्नांकन के लिए कहा है। बता दें कि खरीद-दरौली के पहुंच मार्ग के लिए बिहार का हिस्सा 500 मीटर है, जबकि चांदपुर में 2800 मीटर। इसी तरह शिवपुर में करीब 1800 मीटर लंबा मार्ग सीमा के उस पार बनाया जाना है। यूपी के हिस्से में जमीन फाइनल हो चुकी है। अब मार्ग का डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जा रही है। विधानसभा चुनाव के बाद प्रोजेक्टों को रफ्तार मिलेगी। सरयू की कटान से खरीद-दरौली व चांदपुर पुल प्रभावित हैं। पिछले दिनों पहुंच मार्ग का हिस्सा घटाने के लिए लखनऊ मुख्यालय को पत्र लिखा गया था। इसके स्थान पर पिलर की संख्या बढ़ाए जाने की तैयारी है। दोनों प्रोजेक्टों के लिए राज्य स्तरीय कमेटी का गठन हो चुका है। विधानसभा चुनाव के बाद कमेटी बलिया आएंगी और फंसे पेच को सुलझाने की दिशा में कार्य करेंगी।

पुलिस की गिरफ्त से दूर आरोपित

बेरूआरबारी (बलिया) । कोतवाली क्षेत्र में सिकंदरपुर मार्ग पर बहादुरपुर के समीप एक गुमटी में चोरी के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। इससे स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति आक्रोश व्याप्त है। 15 फरवरी की रात चोर बिट्टू की मोबाइल की दुकान का ताला तोड़कर छह नए मोबाइल सेट, मरम्मत के लिए रखे ग्राहकों के 16 मोबाइल, एक लैपटाप, पेनड्राइव व 1300 नकद उठा ले गए।

45 प्रत्याशियों के पर्चे मिले वैध, 14 का निरस्त

चंदौली। जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्र के 59 प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को कड़े इंतजामों के बीच की गई। इनमें 45 प्रत्याशियों का नाम निर्देशन पत्र वैध पाया गया, जबकि आयोग की गाइडलाइन के अनुसार 14 उम्मीदवारों के पर्चे निरस्त कर दिए गए। अब चुनावी मैदान में उतरने वाले दावेदारों की तस्वीर 21 फरवरी को साफ हो जाएगी। नामांकन पत्रों की जांच शाम सात बजे पूरी हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव सिंह ने सभी आरओ से नामांकन पत्रों की जांच की जानकारी ली। नामांकन पत्रों की जांच के बाद चकिया व सैयदराजा विस क्षेत्र में 11-11, मुगलसराय में सर्वाधिक 14 व सबसे कम सकलडीहा नौ उम्मीदवारों का नामांकन पत्र वैध पाया गया। नाम वापसी के बाद ही यह तय हो सकेगा कि कितने प्रत्याशी चुनावी मैदान में रहेंगे। चकिया विस क्षेत्र से होरीलाल, उषा, अंजूमन, रविशंकर, विजयकांत पासवान, रामभरोस का नाम निर्देश पत्र निरस्त कर दिया गया है। जांच के दौरान यहां के कैलाश, जयनाथ, जितेंद्र कुमार, रामसुमेर, विकास कुमार गौतम, अनिल, रामकिशुन, सुबाष, उर्मिला व रामअवध खरवार का नामांकन पत्र वैध पाया गया। इसी तरह मुगलसराय विस क्षेत्र से इरशाद अहमद, चंद्रशेखर, छब्बू, रमेश जायसवाल, अजित कुमार सिंह, आबिद अली, दया निधि सिंह, बृजेश कुमार, राजू प्रसार प्रजापति, शैलेश कुमार, साजिद अली, इनायत उल्लाय खान, लियाकत अली, विकेश कुमार का पर्चा वैध रहा। सकलडीहा में जय श्याम त्रिपाठी, देवेंद्र प्रताप सिंह ''मुनन'', सूर्यमुनि तिवारी, चंदा, रामधारी यादव, रविकांत विश्वकर्मा, शमीम राईन, श्याम लाल विश्वकर्मा का नामांकन पत्र जांच में सही पाया गया। सैयदराजा विस क्षेत्र में अमित कुमार यादव, मनोज कुमार, विमला देवी, सुशील सिंह, महेश कुमार, शाहजहां खान, सिद्धार्थ प्राण बाहू व सुरेश सिंह का नाम निर्देशन पत्र सही मिला। गुरुवार को नाम वापसी का अंतिम दिन रहा और 40 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। जिन प्रत्याशियों ने एक से अधिक सेट में पर्चा भरा है और उनके सभी पर्चे वैध हैं, उनकी ओर से एक छोड़कर अन्य सभी पर्चे वापस लिए जाएंगे। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में डमी प्रत्याशी भी हैं, उनकी ओर से भी नाम वापस लेने की संभावना है। जनपद के चारों विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की संख्या 15 से कम है। इसलिए एक बैलेट यूनिट (बीयू) से ही मतदान कराया जाएगा। इवीएम में अधिकतम 16 प्रत्याशियों के नाम व चुनाव निशान दर्ज होते हैं। इनमें से 16वां बटन नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) का होता है। इस तरह से यहां की विधानसभाओं में वोटिंग कराने को दूसरी बीयू नहीं लगानी पड़ेगी।

13.02.02022.pmd 3 2/19/2022, 7:48 PM

सम्पादकीय

रूस-यूक्रेन तनाव बना देश को ऊर्जा के मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनाने के लिए मंथन का पड़ाव

यूक्रेन को लेकर रूस और नाटो देशों के बीच चल रहे टकराव की वजह से यूरोप में गैस के दाम बढ़कर तीन गुना हो चुके हैं। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश जर्मनी अपनी जरूरत की लगभग आधी गैस रूस से खरीदता है। इटली की लगभग 40 प्रतिशत और पोलैंड की 46 प्रतिशत गैस रूस से आती है। फ्रांस की एक चौथाई गैस और फिनलैंड, बुल्गारिया और स्लोवाकिया की जरूरत की अधिकतर गैस रूस से आती है। रूस की गैस दो पाइपलाइनों के जरिये यूरोप आती है। पुरानी पाइपलाइन यूक्रेन से होकर गुजरती है और दूसरी नई पाइपलाइन काला सागर में बिछाई गई है, जिसके रास्ते गैस सप्लाई अभी शुरू नहीं हुई है। यूक्रेन में लड़ाई छिड़ने या तनाव बढ़ने की सूरत में रूस से यूरोप आने वाली गैस की सप्लाई बंद हो सकती है। इसलिए रूसी गैस पर निर्भर यूरोपीय देशों को अपनी-अपनी ऊर्जा नीति पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। फ्रांस और इटली अपनी जरूरत की गैस कतर जैसे दूसरे गैस निर्यातक देशों से लेने की योजना बना रहे हैं, जबकि जर्मनी परमाणु ऊर्जा के विकल्प पर पुनर्विचार कर रहा है, जिसे उसने जापान के फुकुशिमा परमाणु बिजलीघर दुर्घटना के बाद बंद कर दिया था। अमेरिका भी गैस भेजने की पेशकश कर रहा है, लेकिन जर्मनी और फ्रांस की ग्रीन पार्टियां स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करने का दबाव डाल रही हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन की रोकथाम में भी मदद मिल सके। भारत के लिए यूक्रेन संकट कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है। यदि लड़ाई छिड़ती है या तनाव और बढ़ता है तो कच्चे तेल और गैस के दामों में और उछाल आ सकता है। भारत का सालाना तेल आयात 7.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.5 लाख करोड़ रुपये हो चुका है, जो देश के कुल आयात के 20 प्रतिशत से भी अधिक है। इससे एक तो भारत का भुगतान संतुलन बिगड़ता है। दूसरे महंगाई बढ़ती है, जो सरकार के लिए राजनीतिक संकट खड़ा कर सकती है। महंगाई काबू में रखने के लिए सरकार को पेट्रोल-डीजल का शुल्क कम रखना पड़ता है, जिससे सरकार का राजस्व घटता है और बजट घाटा बढ़ता है। राजस्व कम मिलने की वजह से सरकार के पास रसोई गैस और डीजल जैसी चीजों पर सब्सिडी देने की गुंजाइश कम बचती है। तेल के दाम बढ़ने का सबसे बुरा असर आर्थिक विकास की दर पर पड़ता है, जिसका स्वस्थ रहना भारत जैसे विकासोन्मुख देश के लिए आवश्यक है। पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम बढ़ने का असर वस्तुओं के निर्माण और ढुलाई पर पड़ता है, जिससे चीजें महंगी होती हैं। महंगाई बढ़ने से लोगों की क्रयशक्ति घटती है, जो मांग को घटाती है। मांग घटने से आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ने लगती है और मंदी की ओर ले जाने वाला दुष्चक्र शुरू हो जाता है। इससे बचने का एक ही रास्ता है और वह है ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल करना। अमेरिका ने अपना तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल की है। भारत के पास एक तो तेल और गैस के इतने स्रोत नहीं हैं और हों भी तो हमारे शहरों की तेजी से खराब होती जलवायु इनका उत्पादन बढ़ाने अनुमति नहीं देती। इसलिए भारत को स्वच्छ ऊर्जा में भारी निवेश करते हुए आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी। इससे एक तो तेल और कोयले जैसे खनिज ऊर्जा साधनों पर हमारी निर्भरता कम होगी और दूसरे हमारे शहरों की जलवायु में भी सुधार होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की स्वाधीनता की सौवीं वर्षगांठ तक ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखा है, परंतु देश की आर्थिक प्रगति को यूक्रेन और ईरान जैसे कूटनीतिक संकटों से निरापद बनाने और देश को बिगड़ते जलवायु के प्रभावों से बचाने के लिए युद्धस्तर पर काम करके इस लक्ष्य को हासिल किए जाने की जरूरत है। जब तक हम इसे हासिल नहीं करते तब तक हमारी कूटनीति भी तेल की कूटनीति की बंधक बनी रहेगी। स्थिति यह है कि हम इराक संकट से उबरते हैं तो ईरान संकट में फंस जाते हैं। उससे पहले यूक्रेन का संकट खड़ा हो गया। दुर्योग से खनिज ऊर्जा के स्रोत हैं भी ऐसे देशों के पास, जहां लोकतंत्र के बजाय तानाशाही या राजनीतिक अस्थिरता रहती है।

भारत में महिला सशक्तीकरण की ओर समग्रता में निरंतर बढ़ते कदम

आज हम एक ऐसे वैश्विक परिवेश में रह रहे हैं, जहां विश्व में लगभग सभी देश महिला स्वतंत्रता, समानता और अधिकार जैसी अवधारणाओं की केवल बात ही नहीं करते, बल्कि जमीनी स्तर पर इसे क्रियान्वित करने का प्रयास भी कर रहे हैं। महिला सशक्तीकरण और महिला शिक्षा जैसी बातों पर विमर्श में बदलाव वैश्विक स्तर पर तो परिलक्षित हो ही रहा है, बल्कि अब महिलाओं के नेतृत्व में विकास जैसी प्रगतिशील बातें भी हो रही हैं। परंतु पहला प्रशन यह है कि क्या महिला सशक्तीकरण का संबंध केवल सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों तक ही सीमित है? बिल्कुल नहीं, बल्कि इसका संबंध देश की आधी आबादी के आत्मनिणय, समाज की दकियानूसी रुढ़िवादी प्रथाओं के प्रति जागरूक होना भी है। वास्तव में महिला सशक्तीकरण आधी आबादी की प्रगति, उनमें चेतना का संचार और जागरूकता से संबंधित है। आज महिलाएं अपने सीमित दायरे से निकल कर अपनी रचनात्मकता और योग्यता के बल पर विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वहीं वर्तमान में देश के भीतर हिजाब पर हो रहा विवाद एक ज्वलंत मुद्दा बना हुआ है। कुछ राजनीतिक दलों के द्वारा इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर हिजाब पहनी हुई एक छात्रा का सड़क पर लगाया जा रहा एक चर्चित नारे का वीडियो सामने आने के बाद से उसे निडर और बहादुर कहा जा रहा है। इसी क्रम में कुछ राजनीतिक दलों द्वारा बयानबाजी भी कर दी गई कि महिलाओं को यह अधिकार है वह कुछ भी पहन सकती है और यह उनका व्यक्तिगत मामला है। मुस्लिम समुदाय के कुछ नेता इस मामले में धार्मिक स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता का हवाला दे रहे हैं। इस ज्वलंत मुद्दे के पीछे तथाकथित लोगों के कुछ तत्कालीन कारण या यूं कहें कि अवसर निहित है जो कि देश के विभिनन राज्यों में हो रहे चुनाव में समुदाय विशेष का समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से उनको बरगलाया जा रहा है। राजनीतिक लाभ के कारण कट्टरपंथियों द्वारा हिजाब का मुद्दा खड़ा किया गया है। विदित हो कि 19वीं शताब्दी में विभिनन समाज सुधारकों- राजा राममोहन राय, स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, सर सैयद अहमद खान आदि ने महिलाओं की दयनीय स्थिति को सुधारने का महत्वपूर्ण प्रयास किया। यह प्रयास न केवल हिंदू धर्म की महिलाओं, बल्कि मुस्लिम महिलाओं के उत्थान के लिए भी था। महिला शिक्षा, विधवा विवाह, पारिवारिक संपत्ति में अधिकार, पर्दा प्रथा, सती प्रथा का विरोध, ऐसे कई मुद्दे जिस पर समाज सुधारकों द्वारा आंदोलन किया गया और बाद में उन्हें सफलता भी मिली। ये तो रही 19वीं शताब्दी की बात, लेकिन आज तो हम 21वीं शताब्दी में रह रहे हैं। स्वाधीनता के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं। ऐसे समय में हिजाब पहनने के लिए मुस्लिम छात्रों द्वारा देश के कई क्षेत्रों में आंदोलन करना और कट्टरपंथियों के बहकावे में आकर सड़कों पर उतरना कहां तक सही है? यदि मैं गलत नहीं हूं तो एक महिला संभवतः अपनी इच्छा से पर्दा या हिजाब का चयन तो नहीं करती, बल्कि धर्म की आड़ में बचपन से ही उस पर पर्दा थोपा जाता रहा है तथा उन पर सामाजिक दबाव बनाया जाता है। बहुत ही रोचक बात यह है कि विश्व के कई मुस्लिम बाहुल्य (लगभग 80-90 प्रतिशत) देश में सार्वजनिक स्थल पर हिजाब, बुर्के पर कुछ कारणों- जिनमें आधुनिकीकरण, धर्मनिरपेक्षता और कई देशों ने सुरक्षा की दृष्टि से प्रतिबंध लगा दिया गया। लेकिन अपने देश के बारे में बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद में कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। ऐसे में एक ऐसा लोकतांत्रिक देश जो सर्व समावेशी समाज पर बल देता है, महिला सशक्तीकरण की बात ही नहीं, बल्कि यहां महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर बल दिया जा रहा है। आज हिजाब पहनने को लेकर आंदोलन किया जा रहा है जो बेहद दुर्भाग्य की बात है। इस विवाद ने महिला सशक्तीकरण को हास्यास्पद बना दिया है। जो महिलाएं बिना हिजाब के कार्यस्थल पर जाती हैं, उनके चरित्र पर न केवल सवालिया निशान खड़ा करता है, बल्कि भेदभाव को भी बल प्रदान करता है। गौरतलब है कि यह केवल हिजाब विवाद का ही मुद्दा नहीं है। समाज में महिलाओं की स्थिति, समान अधिकार, स्वतंत्रता, स्वयं का निणय, स्व-चेतना का मुद्दा है। महिला होने के नाते यह समय है स्वयं की स्थिति पर पुनः विचार करने का, ऐसी सभी प्रथाओं और कुरीतियों का विरोध करने का, जो उनको अधीनता की तरफ ले जाए। धार्मिक कट्टरपंथियों को आईना दिखने का जो महिलाओं को एक वस्तु समझने की भूल करते हैं। समय है स्वयं के अस्तित्व पर विचार करने का कि क्या हम महिलाएं सही मायने में स्वतंत्र हैं? वह किसी भी धर्म समुदाय की हो, क्या महिलाएं स्वतंत्रता के मूलभूत सार को समझ रही हैं, उसका उपभोग कर पा रही हैं? वर्षों से महिलाएं लैंगिक समानता, स्वतंत्रता और अधिकार के लिए सतत प्रयास और संघर्ष करती आई हैं। परिणामस्वरूप आज विश्व के लगभग सभी देश विकास प्रक्रिया में आधी आबादी की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए उनकी सहभागिता को सुनिश्चित कर रही है। चाहे वह निणय निर्माण प्रक्रिया हो या सैन्य क्षेत्र, मेडिकल, कला, विज्ञान और खेल जगत, ऐसे कई अन्य क्षेत्रों में महिलाएं बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रही हैं। परंतु इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि महिलाएं स्वतंत्र होकर भी स्वतंत्र नहीं हैं और पुरुषों के समकक्ष होकर भी समान नहीं हैं। कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना और समाज में लोगों की मानसिकता अभी भी यही बनी हुई है कि महिलाएं अपना निणय स्वयं और सही ढंग से नहीं ले सकती हैं। सार्वजनिक स्थलों तक उनसे संबंधित निणय जब तक वे स्वयं नहीं लेंगी, जब तक समाज में लोगों की मानसिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक महिला सशक्तीकरण की बात करना निरर्थक होगा। सरकारें अपना कार्य कर रही हैं।

5जी की राह में आने वाली तमाम बाधाओं को दूर करना

इंटरनेट की कनेक्टिविटी और स्पीड को लेकर चुनौतियां दोनों तरफ है। चाहे उपभोक्ता हों या फिर इंटरनेट सर्विस प्रदाता कंपनियां। जीवनशैली के लिए अति आवश्यक अंग बन चुके इंटरनेट के बगैर स्मार्टफोन, लैपटाप, पर्सनल कंप्यूटर, स्मार्टवाच, स्मार्टटीवी, वाइफाइ, हैंडफ्री जैसे गैजेट्स काम नहीं कर पाते हैं। नतीजा इनसे जुड़े तमाम तरह के आनलाइन कामकाज ठप हो जाते हैं। तब ऐसी स्थिति बन जाती है मानो जिंदगी अचानक थम सी गई हो। डिजिटल दौर की इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार की नजर 5जी नेटवर्क की सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर है। इस क्रम में संचार विभाग द्वारा 13 शहरों में दिसंबर 2022 तक नई सर्विस उपलब्ध करवाने की घोषणा भी कर कर दी गई है।

वीर सावरकर के संदर्भ में तथ्यों के साथ समग्र दृष्टि का विस्तार

इतिहास में ऐसे अनेक मामले सामने आते रहे हैं जब कई महापुरुषों के सामाजिक योगदान को इतिहासकारों ने पर्याप्त स्थान नहीं दिया। जिन सावरकर ने गांधी और आंबेडकर से भी पहले बहुजन उत्थान के लिए कार्य किया और समाज सुधार की दिशा में व्यापक प्रयास किया, इतिहासकारों ने उन्हें समाज सुधारक महापुरुषों की चर्चा में कोई जगह नहीं दी। जिस '1857 के विद्रोह' को विदेशी ही नहीं, भारतीय इतिहासकार भी 'सिपाही विद्रोह' कहने में लगे थे, तब सावरकर ने उसे देश का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम बताया। अंग्रेजों द्वारा दी गई कालापानी की भयानक सजा भी काटी। इन सबके बावजूद वीर सावरकर को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया, जिसके वह हकदार थे। विचारधारा पोषित इतिहासकारों ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। ये निरंतर ऐसा लिखते रहे हैं। इनके द्वारा ऐसा इतिहास लिखने के कारण ही वर्तमान में सावरकर का नाम जब भी सामने आता है, तो विचारधाराएं दो विपरीत ध्रुवों पर खड़ी हो जाती हैं। एक गुट उन्हें पूजनीय मानता है तो दूसरा उन्हें सर्वथा त्याज्य समझता है। विचारों का यह भेद भारत के इतिहास में शायद ही किसी दूसरे स्वतंत्रता सेनानी के बारे में दिखाई देता हो। इस संदर्भ में विक्रम संपत, माफी मांगने वाले सावरकर के सच को बहुत ही विस्तार से अपनी किताब में लिखते हैं। न केवल माफी वाली बात, बल्कि वह हर उस बात का जवाब देते हैं जिसका विरोधियों के पास कोई तथ्यात्मक उत्तर नहीं है। विक्रम संपत ने अपनी कोई भी बात बिना तर्क और तथ्य के नहीं लिखी। उन्होंने हर बात को किसी न किसी हवाले से लिखा है।इस बीच एक और अच्छी बात यह हुई है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने वीर सावरकर की जीवनी लिखने वाले विक्रम संपत को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि कोई भी इतिहासकार विक्रम संपत के खिलाफ मानहानिकारी टिप्पणी नहीं कर सकेगा। दरअसल विक्रम संपत की किताब को लेकर इंटरनेट मीडिया पर बहस यहां तक आ पहुंची थी कि नकली और असली इतिहास क्या है और उसे नई पीढ़ी को इस तरह से कुंठित रूप से क्यों परोसा जा रहा है इसी बहस में यह भी प्रशन आया कि देश की एक बड़ी संस्था जिसकी किताबों को देश की सबसे बड़ी परीक्षा के लिए आदर्श रूप माना जाता है वह एनसीईआरटी की इतिहास की पुस्तकों के साथ गड़बड़ी क्यों कर रही है यह पहली बार नहीं है जब एनसीईआरटी को कठघरे में रखा गया है। कुछ माह पूर्व लेखक, अध्यापक और आरटीआइ कार्यकर्ता नीरज अत्री ने भी एनसीईआरटी द्वारा गलत इतिहास के परोसे जाने पर बात की थी। उनकी वह आरटीआइ सबसे ज्यादा प्रचलित हुई जिसमें उन्होंने एनसीईआरटी से 'टीपू सुल्तान के दान से बने मंदिरों की सूची की मांग की थी' और संस्था ने जवाब दिया था कि उनके पास इस तथ्य को सिद्ध करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं है। इसी क्रम में अब बात करते हैं महापुरुषों की एक चयनित सूची पर। इस देश में एक गिरोह विशेष द्वारा लगातार यह साबित करने की कोशिश की जाती है कि जो गांधीवादी नहीं है वह गोडसेवादी है। सवाल यह उठता है कि क्या कोई बोसवादी नहीं हो सकता क्या कोई टैगोरवादी नहीं हो सकता क्या कोई सावरकरवादी नहीं हो सकता क्या कोई अशफाकवादी या कलामवादी नहीं हो सकता आखिर कब तक इनके बनाए ढांचे वाले महापुरुषों को ढोया जाएगा। विक्रम संपत इनकी इसी मानसिकता को तोड़ते हैं और एक-एक करके इनके सारे आरोपों का सार्थक और तार्किक जवाब देते हैं। वह सावरकर के कानूनवेत्ता वाले पक्ष को उठाते हैं। वह लिखते हैं कि सावरकर जानते थे कि प्रत्येक राजबंदी को एक वकील करके अपना मुकदमा लडे की छूट होती है। उसी तरह सारे राजबंदियों को याचिका देने की छूट दी गई थी। इसलिए उन्होंने जेल से छूट कर देश सेवा में खुद को लगाने के लिए इस याचिका का इस्तेमाल किया था। इस याचिका में अंग्रेज हुकूमत से यह वादा किया जाता था कि यदि बंदी जेल से रिहा किया गया तो वह अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध कोई षड्यंत्र नहीं करेगा। महात्मा गांधी के शब्दों में कहें तो एक बुद्धिमान क्रांतिकारी के तौर पर सावरकर ने बड़ी चतुराई से इस याचिका का इस्तेमाल अपनी रिहाई के उद्देश्य से किया था, क्योंकि वे जानते थे कि जेल में रह कर देश के लिए उतना नहीं किया जा सकता जितना जेल से निकल कर किया जा सकता है। सावरकर आज तब अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं जब भारत को अपनी सीमाओं पर दोहरी चुनौती मिल रही है। दरअसल सावरकर अपने समय से कहीं ज्यादा आगे थे। उनकी भारत की सुरक्षा संबंधी समझ दूरदर्शी थी। वर्ष 1954 में उन्होंने नेहरू को चेतावनी दी थी कि पंचशील का उनका सिद्धांत चीन के कुत्सित मंसूबों को बढ़ावा देगा और अगर निकट भविष्य में वह हमला कर भारत की भूमि को हड़प लेता है तो उन्हें आश्चर्य नहीं होगा। पाकिस्तान पर भी उनकी चेतावनी सटीक थी। उन्होंने कहा था कि जब तक धार्मिक कट्टरता पर आधारित राष्ट्र भारत का पड़ोसी रहेगा, तब तक भारत शांति से नहीं रह पाएगा। यह आज तक सही प्रतीत होता रहा है। कहना होगा कि भारत भूमि की सामान्य मानवी ने अपने वास्तविक महापुरुषों को पहचानना सीख लिया है। अब वह समय आ गया है जब हमें इतिहास में सावरकर जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को भी उचित स्थान देना होगा जिसके वह वास्तविक हकदार थे। सावरकर वास्तव में भारत के रत्न हैं। उन्हें किसी प्रेम और नफरत के चश्मे से देखने की बजाय उनके विचारों पर ईमानदारीपूर्वक एक स्वच्छ विमर्श होना चाहिए, ताकि आधुनिक भारत उनके विचारों से लाभान्वित हो सके। साथ ही नई पीढ़ी यह जान सके कि किस तरह कुछ चयनित इतिहास लिखने वालों ने वास्तविकताओं को विरूपित किया।

हिजाब प्रकरण के संदर्भ में समाज को देखने का नजरिया

किसी भी समाज की परिपक्वता का अंदाजा किसी प्रकरण पर उसकी प्रतिक्रिया या आचरण द्वारा लगाया जा सकता है। कर्नाटक का हिजाब प्रकरण बेहद संवेदनशील है और एक नए विमर्श की आहट भी। उथली राजनीति और वोटों के ध्रुवीकरण के बजाय इस प्रकरण से उठते कुछ प्रशन बेहद सामयिक हैं जिनका समाधान वर्तमान की अंतरदृष्टि द्वारा किया जा सकता है। किसी भी समस्या को देखने के लिए वर्तमान परिस्थितियों और किसी भी समाज का अतीत कैसा रहा है, इन बातों पर गौर करना चाहिए। इंटरनेट मीडिया के इस दौर में वायरल संस्कृति का उभार हुआ है जो बहुत तेजी से जन भावनाओं को प्रभावित करती है। भारत बहुलतावादी समाज है। इसके गौरवशाली अतीत की चादर पर कुप्रथाओं के छींटें भी हैं, लेकिन इस देश की सहिष्णु और तर्कवादी संस्कृति ने सदैव कुप्रथाओं पर बेबाकी से राय रखने की पूरी इजाजत दी है। साथ ही इन्हें समाप्त करने के लिए सक्रिय आंदोलनों का संचालन भी किया है। वैश्वीकरण के इस दौर में यह देखना जरूरी है कि हमारी संस्कृति के वे कौन से पक्ष हैं, जो नागरिकों के व्यक्तित्व के विकास में बाधक हैं। पितृसत्तात्मक व्यवस्था भारतीय समाज की सच्चाई है। इसीलिए भारतीय समाज में महिला आंदोलनों की गति धीमी रही है। स्वामी विवेकानंद तो मुखर होकर कहते हैं कि महिला कल्याण का नेतृत्व महिलाओं के ही हाथ में होना चाहिए, पुरुष महिला के बारे में संवेदनशील होकर तो सोच सकता है, लेकिन यह केवल सहानुभूति होगी समानुभूति नहीं। हिजाब या पर्दा न केवल भारतीय समाज, बल्कि वैश्विक स्तर पर अधिकांश धर्मों और समाजों में किसी न किसी रूप में देखने को मिलता है। जहां भारत में उत्तर वैदिक काल में पर्दा प्रथा के उदाहरण देखने को मिलते हैं, वहीं ईसाइयत और इस्लाम में पर्दा संस्कृति अलग-अलग रूपों में आई। आज हिजाब प्रकरण को देखने का सबका अपना नजरिया है। लेकिन यदि हम धर्म या संस्कृति के नाम पर महिलाओं पर थोपे गए किसी आचरण को उनके नजरिये से देखें और कुप्रथाओं के उन्मूलन को उनके विवेक पर छोड़ दें तो यह किसी भी प्रगतिशील समाज के लिए ज्यादा सकारात्मक कदम होगा। खानपान या पहनावा व्यक्तिगत मामला है और हमें इन बातों को लेकर किसी के जीवन में गैर जरूरी हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। एक नागरिक के तौर पर यदि हम सोचते हैं कि स्वतंत्र तरीके से जीवन जीना हमारी निजता का मौलिक अधिकार है तो हमें इस बात पर भी संजीदगी से आचरण करना चाहिए कि हम दूसरे के जीवन में गैर जरूरी हस्तक्षेप न करें। जहां तक हिजाब या पर्दा प्रथा की बात है तो हमें महिलाओं को अभिव्यक्ति का यह अवसर देना चाहिए कि वह स्पष्ट कर सके कि पर्दे के अंदर से वह दुनिया को कैसे देखती हैं। वह खुलकर यह बता सकें कि उनके पर्दे की दुनिया के कितने रंग और रूप हैं। हिजाब प्रकरण को यदि विधिक नजरिये से देखें तो खानपान या पहनावा निजी चुनाव है, लेकिन सार्वजनिक संस्थाओं के अपने निजी कानून होते हैं और उनका पालन किसी भी व्यवस्था को बनाए रखने में मददगार होता है। एक नागरिक के तौर पर जहां हमें मौलिक अधिकार प्राप्त हैं, वहीं संविधान ने राजव्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए इन अधिकारों पर तार्किक प्रतिबंध भी आरोपित किया है। इसलिए हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन के निर्बाध संचालन के लिए सजग आचरण भी करना चाहिए। किसी भी धर्म की महिला के लिए हिजाब जैसी कुप्रथा उसके स्वयं के विकास और प्रगतिशील समाज के लिए भी सही नहीं है, लेकिन इसके उन्मूलन का हिंसक या आक्रोशित तरीका एक बहुलतावादी परिपक्व समाज में अस्वीकार्य है। हमें हिजाब प्रकरण को सनसनीखेज बनाने के बजाय न्यायपालिका के विवेक पर छोड़ एक सजग नागरिक की तरह व्यवहार करना चाहिए। किसी भी धर्म की महिला के लिए हिजाब जैसी कुप्रथा उसके स्वयं के विकास और प्रगतिशील समाज के लिए भी सही नहीं है, लेकिन इसके उन्मूलन का हिंसक या आक्रोशित तरीका एक बहुलतावादी परिपक्व समाज में अस्वीकार्य है। हमें हिजाब प्रकरण को सनसनीखेज बनाने के बजाय न्यायपालिका के विवेक पर छोड़ एक सजग नागरिक की तरह व्यवहार करना चाहिए।किसी भी धर्म की महिला के लिए हिजाब जैसी कुप्रथा उसके स्वयं के विकास और प्रगतिशील लेकिन इसके उन्मूलन का हिंसक या आक्रोशित तरीका एक बहुलतावादी परिपक्व समाज में अस्वीकार्य है। हमें हिजाब प्रकरण को सनसनीखेज बनाने के बजाय न्यायपालिका के विवेक पर छोड़ एक सजग नागरिक की तरह व्यवहार करना चाहिए।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों में अक्सर बिना किसी साक्ष्य के ही पुरुषों को शोषक मान लिया जाता है

महिला को पति और उसके रिश्तेदारों की क्रूरता से बचाने के लिए लाए गए दहेज निषेध अधिनियम के दुरुपयोग पर उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर चिंता जताई। बीते सप्ताह सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा कि 'हाल के दिनों में देश में वैवाहिक मुकदमेबाजी काफी बढ़ गई है। विवाह संस्था को लेकर अब पहले से अधिक असंतोष और टकराव है। परिणामस्वरूप व्यक्तिगत झगड़े के चलते पति और उसके रिश्तेदारों के विरुद्ध आइपीसी की धारा 498 ए (दहेज प्रताड़ना में दंड) के प्रविधानों का हथियार की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है।' बीते दशकों में देश की विभिनन अदालतों ने 498 ए के दुरुपयोग को लेकर तीखी टिप्पणियां की हैं। अमरजीत कौर और अन्य बनाम जसविंदर कौर और अन्य, 2010 मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा था कि 'असंतुष्ट पतिन्यों द्वारा 498 ए के प्रविधानों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना आम बात हो गई है। पति को परेशान करने का सबसे आसान तरीका यह है कि उसके रिश्तेदारों को इस प्रविधान के तहत फंसाया जाए। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि पति के शय्याग्रस्त दादा-दादी हों या दशकों से विदेश में रहने वाले रिश्तेदार।' इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों में अमूमन बिना किसी सुबूत के पुरुषों को शोषक मान लिया जाता है। इस धारणा को निरंतर प्रतिस्थापित करने का प्रयास भी किया गया है कि महिलाएं क्रोध, ईर्ष्या और वैमनस्य के भाव से मुक्त हैं। 498 ए कानून के वास्तविक पालन की सबसे बड़ी चुनौती वे दांवपेच हैं, जो स्वार्थ सिद्धि के इर्द-गिर्द बुने जाते हैं। संबंध रखने वाले भी लाखों और करोड़ों रुपये में दहेज देने का आरोप लगाते हैं, क्योंकि वे इस सत्य से परिचित हैं कि जितनी अधिक राशि का उल्लेख किया जाएगा, मामला उतना ही संगीन होगा। इस संदर्भ में 23 फरवरी, 2007 को श्रीमती नीरा सिंह बनाम राज्य (राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार) के संबंध में न्यायालय का वक्तव्य उल्लेखनीय है।

वंदे भारत ट्रेन का वर्जन-2 अप्रैल में पटरी पर, नहीं बनेगी बर्निंग ट्रेन जानें क्या हैं खास सुविधाएं

अंबाला। देश में ही बनी वंदेभारत का वर्जन-2 अप्रैल 2022 में पटरी पर उतार दिया जाएगा। इसमें ऐसे कमाल के फीचर दिए गए हैं जिससे यह बर्निंग ट्रेन नहीं बनेगी। ट्रेन विमान जैसी खास सुविधाओं से लैस होगी। चेन?नई के इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आइसीएफ) में नई वंदेभारत तैयार की जा रही है। इसमें यात्रियों की सहूलियत का विशेष ध्यान रखा गया है। अब बीड़ी व सिंगरेट सुलगाते ही डिब्बे में अलार्म बज जाएगा। यात्रियों की सुविधाओं में इजाफा करने के लिए कई परिवर्तन किए जा रहे हैं। ट्रेन की रेक्लाइनिंग सीट को पुशबैक से लैस किया जाएगा। सीट को पुश कर अपने आराम के हिसाब से आगे या पीछे किया जा सकेगा। पहले प्रत्येक कोच से आपातकालीन स्थित में दो यात्री सीधे लोको पायलट से बात कर सकते थे,लेकिन नई डिजाइजन से तैयार हो रही वंदेभारत में अब प्रत्येक कोच में चार माइक और स्विच होंगे। ट्रेन में सेंट्रलाइज्ड कोच लगाए जाएंगे, जिससे एक ही जगह से पूरी ट्रेन पर नजर रखी जा सकेगी। इसके अलाावा पावर फेल होने के बाद ट्रेन भले ही रुक जाए लेकिन ट्रेन में लाइट आन होगी। मौजूदा समय तकनीकी दिक्कत आने के बाद ट्रेन में लाइट बंद हो जाती थी लेकिन अब बैटरी पर यह सुविधा रहेगी कि रोशनी प्रत्येक डिब्बे में रहे। लाइटिंग के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तीन घंटे तक रहेगी। प्रत्येक कोच में चार इमरजेंसी विंडो होंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों को जल्दी से जल्दी निकाला जा सके। ट्रेन के

एसी और भी बेहतर किया जाएगा। कोच को बैक्टिरिया फ्री एयर कंडीशनिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा। इतना ही नहीं यात्रियों की सुरक्षा को देखते पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम भी लगाया गया है। दरवाजे और खिड़कियों में फायर सर्वाइवल केबल का इस्तेमाल होगा, जिससे आग लगने की स्थिति में भी दरवाजा और खिड़कियां खोलना आसन होगा। अधिकारियों का प्रयास है मार्च तक वंदेभारत वर्जन-टू कर रेलवे बोर्ड को सौंप दिया जाये ताकि किसी रूट पर इसे दौड़ाया जा सकें। मौजूदा समय नई दिल्ली से वाराणसी और नई दिल्ली से कटरा के बीच वंदेभारत ट्रेनें दौड़ रही हैं। अब इसे नई दिल्ली-लखनऊ, नई दिल्ली-चंडीगढ़ या नई दिल्ली-अमृतसर के रूट पर दौड़ाया जा सकता है। वंदेभारत भले ही 160 किमी प्रति घंटा की रफ्तार के दावे के साथ ट्रेन पटरी पर उतार दी गई है लेकिन इस तेज रफ्तार के बावजूद यात्रियों का सफर उस हिसाब से कम नहीं हो पा रहा। शताब्दी और राजधानी की औसत स्पीड 90 से ऊपर नहीं आ पा रही। हालांकि वंदेभारत ट्रेन दौड़ने की क्षमता तो 130 किमी प्रति घंटा की रफ्तार आंकी जा चुकी है। लेकिन, वंदेभारत की औसत स्पीड 100 किमी प्रति घंटा तक ही आ रही है। औसत स्पीड न बढ़ने के अनेकों कारण हैं जिसमें प्रमुख कारण बिजी रूटों पर ट्रेनों की संख्या का निर्धारित मापदंड से भी अधिक इजाफा होना, पटरियों के दोनों तरफ कंक्रीट की दीवार न होना और ट्रैक पर स्थायी रूप से तकनीकी कारणों के चलते ब्लाक होना आदि माना जा रहा है। इसके अलावा ट्रेन का ठहराव होने के कारण भी इसे रोकने के लिए करीब चार मिनट और फिर रफ्तार पकड़ने के लिए भी करीब छह मिनट लग जाते हैं जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस एकदम स्पीड पकड़ने और रुकने की क्षमता रखती है। वंदे भारत एक्सप्रेस श्रृंखला की 40 नई ट्रेनों का टेंडर रद होने के कारण यह प्रोजेक्ट लेट हो गया। 40 नई ट्रेन बनाने के लिए आठ कंपनियों ने भागीदारी की थी, जिसमें से रेलवे ने मेधा सवी ड्राइव्स लिमिटेड को दो और स्पेन की एक कंपनी को एक रैक (ट्रेन) बनाने की हामी भरी थी। रेलवे के इस फैसले पर मेधा ने सवाल उठाते हुए वंदे भारत रैक के निर्माण से हाथ खींच लिए थे। दो रैक बनाने का आर्डर मिलने पर मेधा ने आपत्ति जताई और कहा कि रेट कम करने के बावजूद 80 फीसद की जगह महज उनको महज दो रैक ही बनाने की हरी झंडी दी गई। कंपनी ने कहा कि वे मात्र दो रैक के लिए कम की गई कीमत पर काम करने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में अर्नेस्ट मनी डिपाजिट (ईएमडी), जो 20 लाख रुपये है, उसे रिलीज किया जाए। यह रैक इंटीग्रल कोच फैक्ट्री चेनन्ई में बनाए जाने थे। इसी बीच रेलवे ने वंदे भारत और रेलवे मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू), इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) और एयर कंडीशंड ईएमयू के सभी टेंडर रद कर दिए थे।

धर्मशाला स्टेडियम में 750 से लेकर 7500 रुपये तक की टिकट, देखिए पूरी लिस्ट

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने धर्मशाला स्टेडियम में 26 व 27 फरवरी को होने वाले टी-20 मैच के लिए आज से आनलाइन टिकट बिक्री शुरू कर दी है। सबसे कम मूल्य का टिकट 750 रुपये का है, जबकि सबसे अधिक 7500 रुपये का टिकट है।

कारपोरेट बाक्स की टिकट का दाम सबसे ज्यादा है। यहां दर्शकों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था भी होगी। आज शाम से टिकट आनलाइन पेटीएम पर लिए जा सकते हैं। एचपीसीए ने यह भी तय किया है कि वह टिकट लेने के बाद उस स्टैंड तक कैसे पहुंच सकते हैं। ईस्ट स्टैंड वन से मुख्य गेट नंबर चार से स्टेडियम में आने पर 10 नंबर गेट से यहां तक पहुंचेंगे और इसके लिए 750 की टिकट है। इसी तरह से ईस्ट स्टैंड-टू में मुख्य प्रवेश नंबर पांच से करने पर 12 नंबर गेट से स्टेडियम में पहुंचे और यहां के लिए एक हजार रुपये टिकट है। तीन में पांच नंबर से प्रवेश कर गेट 13 से मैदान तक पहुंचेंगे, यहां के लिए टिकट 1500 रुपये निर्धारित की है। इसी तरह से बेस्ट स्टैंड एक में वन-ए नंबर से एंट्री पर आगे चार नंबर गेट से जाएंगे। यहां के लिए 1500 रुपये टिकट निर्धारित है। इसी तरह बेस्ट स्टैंड टू में पहुंचने के लिए एंट्री टू से करेंगे और गेट पांच से होकर स्टेडियम में पहुंचेंगे, इसके लिए टिकट 1000 रुपये निर्धारित किया है। बेस्ट स्टैंड तीन में जाने के लिए दो नंबर के प्रवेश द्वार से जाकर छह नंबर गेट में जाएंगे और यहां बैठने के लिए आपको 750 रुपये प्रति सीट देने होंगे। इसी तरह से नार्थ वेस्ट स्टैंड में गेट से यहां तक पहुंचेंगे और यहां के लिए एक हजार रुपये का टिकट तय है। इसी तरह से नोर्थ पवेलियन स्टैंड में तीन नंबर से प्रवेश करेंगे और आठ नंबर के गेट से होते हुए यहां तक पहुंचेंगे। इसके लिए दो हजार रुपये का टिकट है। नार्थ वन स्टैंड के लिए मुख्य प्रवेश तीन नंबर से होगा और सात नंबर के गेट से होते हुए यहां तक पहुंचेंगे। इसके लिए एक हजार रुपये का टिकट तय है। इसी तरह से नार्थ-टू स्टैंड के लिए मुख्य प्रवेश तीन नंबर से करके नौ नंबर के गेट से एंट्री करके यहां पहुंचेंगे और एक हजार रुपये का टिकट यहां के लिए है। पवेलियन टैरेस में मुख्य एंट्री पांच नंबर से होगी और 14 नंबर गेट से जाकर यहां तक पहुंचेंगे। इसके लिए 2500 रुपये टिकट है। इसी तरह से क्लब लोज मेन पवेलियन में एक नंबर के मुख्य द्वार से प्रवेश करते यहां पहुंचेंगे, इसके लिए तीन हजार रुपये का टिकट है। नार्थ स्टैंड वन लेवल वन में एंट्री तीन नंबर से होगी और 7-ए गेट से आकर स्टेडियम तक पहुंचेंगे। यहां के लिए एक हजार रुपये टिकट है। इसी तरह से नार्थ स्टैंड-टू, लेवल वन के लिए तीन नंबर से प्रवेश कर 9-ए गेट से प्रवेश पाकर यहां पहुंचेंगे, इसेक लिए एक हजार रुपये का टिकट तय किया है।

सुवेंदु की ममता के खिलाफ टिप्पणी के बाद भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में शुक्रवार देर शाम को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भाजपा के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया। इस कहासुनी के बाद दोनों दलों के सौमेंदु अधिकारी ने दावा किया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने नंदीग्राम से विधायक अधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस दौरान झड़प हुई और अधिकारी के साथ आए केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने उनका बचाव किया। वहीं, टीएमसी उम्मीदवार

कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। यह घटना उस समय हुई जब राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता व नंदीग्राम से भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी 27 फरवरी को होने वाले कोंटाई नगर पालिका चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे थे। वार्ड नंबर 13 में टीएमसी उम्मीदवार सुप्रकाश गिरि ने आरोप लगाया कि अधिकारी और उनके साथ आए लोगों ने एक सुपर मार्केट के पास टीएमसी चुनाव कार्यालय से गुजरते समय पार्टी सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों ने विरोध किया। दूसरी ओर, अधिकारी के भाई सुप्रकाश गिरि ने आरोप लगाया कि सुरक्षाकर्मी टीएमसी कार्यालय के अंदर घुस गए और उनकी पिटाई करके उन्हें घायल कर दिया। इस घटना को लेकर इलाके में काफी तनाव का माहौल बना रहा बताते चलें कि पिछले साल बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी ने करीबी मुकाबले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हरा कर सबको चौंका दिया था। अधिकारी पिछले साल की शुरुआत में राज्य में हुए विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद से वे लगातार तृणमूल के निशाने पर हैं।

महाराणा प्रताप व अकबर पर गोविंद सिंह डोटासरा के बयान से गरमाई सियासत, जानें-किसने क्या कहा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुए युद्ध को सत्ता का संघर्ष बताने पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने इस मामले में डोटासरा व कांग्रेस के नेतृत्व से माफी मांगने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने तंज कसते हुए ट्वीट किया कि मुगल चले गए और अपने पीछे कांग्रेसी एजेंट को छोड़कर चले गए, जो मातृभूमि के सम्मान की लड़ाई को सत्ता से जोड़े देते हैं। शेखावत ने कहा कि डोटासरा को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। महाराणा प्रताप और अकबर की लड़ाई को सिर्फ सत्ता की लड़ाई बताकर कांग्रेस ने उदयपुर संभाग के स्वाभिमान के इतिहास को ललकारा है। महाराष्ट्र प्रताप ने आजीवन मातृभूमि की रक्षा का संकल्प जारी रखा था। अकबर के साथ युद्ध सत्ता के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र सुरक्षा का संघर्ष था। वहीं, भाजपा विधायक दल के नेता गुलाब चंद कटारिया ने एक बयान में कहा कि महाराणा प्रताप का युद्ध सत्ता के लिए नहीं, बल्कि स्वाभिमान की ल.ड़ाई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का चश्मा ऐसा है कि उसके नेताओं को हर समय मुस्लिम तुष्टीकरण का ही पालन करना होता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने एक बयान में कहा कि मुस्लिम वोट के लिए कांग्रेस के नेता गलत बयान देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि डोटासरा को गलत बयान देने के लिए माफी मांगनी चाहिए। गोविंद सिंह डोटासरा ने गुरुवार को नागौर जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा था कि भाजपा ने अपने राज के दौरान विद्या भारती की तर्ज पर पाठ्यक्रम बनवाए। उन्होंने महाराणा प्रताप और अकबर

के बीच हुई लड़ाई को धार्मिक लड़ाई बताकर पाठ्यक्रम में शामिल करवा रखा था, जबकि ये सत्ता का संघर्ष था। भाजपा हर चीज को हिंदू और मुस्लिम के धार्मिक चश्मे से देखती है। डोटासरा इससे पहले भी महाराणा प्रताप और अकबर को लेकर बयान दे चुके हैं। उदयपुर, संवाद सूत्र। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के महाराणा प्रताप को लेकर दिए बयान के बीच नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि डोटासरा ने इतिहास नहीं पढ़ा तो पढ़ लें। महाराणा प्रताप का युद्ध सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि स्वाभिमान की लड़ाई थी। राज की अगर इच्छा होती तो जयपुर वाले मान सिंह की लाइन में महाराणा प्रताप चले जाते, लेकिन वह नहीं गए। नेता प्रतिपक्ष ने डोटासरा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि आपने हमारे बच्चों को पढ़ाया था अकबर महान, इसलिए तुम्हारी पार्टी कांग्रेस गर्त में गई है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ नहीं झुके, इसलिए उन्होंने बड़ी सल्तनत से भी मुकाबलाि किया। बड़े-बड़े शासक झुक गए, लेकिन मेवाड़ राजघराना और महाराणा प्रताप ने उनकी अधीनता को स्वीकार नहीं करके कष्टों को भुगतना स्वीकार किया। कटारिया ने कहा कि दुर्भाग्य है कि इन लोगों को महाराणा प्रताप दिखते ही नहीं, अकबर दिख जाता है। इसलिए इन लोगों ने इतने साल तक यही खेती कमाकर राज किया है। बाकी भारत में आप किसी से भी पूछोगे तो महाराणा प्रताप और अकबर के बीच अगर तुलना हो तो महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्र के लिए, स्वाभिमान और मूल्यों की लड़ाई के लिए ही रहा। राज की अगर इच्छा होती तो वह भी जयपुर वाले मान सिंह की लाइन में चले जाते, लेकिन महाराणा प्रताप ने ऐसा नहीं किया। मुस्लिम तुष्टीकरण का ही पालन किया। इसलिए यह पार्टी अपना अस्तित्व खोती जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की दुर्गति आज हुई है, उसका बड़ा कारण यह भी है। इधर, राजसमंद से भाजपा की विधायक दीप्ति माहेश्वरी का कहना है कि महाराणा प्रताप का अपमान और खालिस्तानियों का महिमामंडन से कांग्रेस का यथार्थ चरित्र दिख रहा है।

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री बोले, रोहिंग्या भारत के लिए भी चिंता का विषय, पाकिस्तान के रवैये पर भी की टिप्पणी

शिमला। बांग्लादेश के विदेश मामले राज्य मंत्री मोहम्मद शहरीयार आलम का कहना है रोहिंग्या बांग्लादेश के लिए तो चिंता का विषय हैं ही भारत के लिए भी यह चिंतनीय है। उपमहाद्वीप में आर्थिक प्रगति और शांति के लिए पाकिस्तान की भूमिका प्रदान करने को बढ़ावा देने की जरूरत है। बांग्लादेश भारत का पहले से घनिष्ठ मित्र रहा है। दोनों देशों के रिश्ते हमेशा सराहनीय रहे हैं। अब व्यक्ति और परस्पर व्यक्ति में संवाद स्थापित करने की जरूरत है। वहीं, डा. आलोक बंसल का कहना है चीन व पाकिस्तान

महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान को अपने रवैया में बदलाव लाना होगा। तीन दिवसीय भारत बांग्ला मैत्री सम्मेलन के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा उपमहाद्वीप में आर्थिक प्रगति सांस्कृतिक आदान रोहिंग्या मुसलमानों का गलत इस्तेमाल न करें, इस पर भारत की भूमिका अहम रहेगी। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिमला स्थित राजभवन में भारत और बांग्लादेश काउंसिल के सदस्यों के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर भारत के विदेश राज्य मंत्री राजकुमार सिंह और बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री मोहम्मद शहरीयार आलम सहित कई व्यक्ति उपस्थित रहे। बांग्लादेश और भारत के संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर शिमला में काउंसिल संयुक्त रूप से अपने 10वें मैत्री संवाद का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर, राज्यपाल ने अतिथियों का हिमाचल आगमन पर स्वागत किया और कहा कि भारत-बांग्लादेश के मधुर संबंधों का यह स्वर्णिम पढ़ाव है। साझी सभ्यता की विरासत से बंधे होने के अलावा, दोनों देश लोकतंत्र तथा शांति, स्थिरता व समृद्धि की इच्छा के समान मूल्यों को साझा करते रहे हैं। बांग्लादेश मुक्ति के बाद पाकिस्तान के युद्ध बंधियों को सम्मानपूर्वक रिहा कर हमने मानवता का परिचय दिया। ये राजभवन बांग्लादेश के जनयुद्ध से भी जुड़ा है। 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पाकिस्तान के राष्ट्रपति जुल्फीकार अली भुट्टो के बीच यहीं वह ऐतिहासिक 'शिमला समझौता' हुआ था।

संजय राउत ने नारायण राणे पर साधा निशाना कहा-धमकी देना बंद करो; हम आपके बाप हैं

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को मुंबई में नारायण राणे पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नारायण राणे धमकी दे रहे हैं कि उनकी हमारी कुंडली है। धमकियां देना बंद करो। हमारी भी आपकी कुंडली है। आप केंद्रीय मंत्री करने से नहीं कतराएंगे। उन्होंने कहा कि आप (किरीट सोमैया) घोटाले के दस्तावेज केंद्रीय एजेंसियों को दें, मैं आपके दे दूंगा। धमकी मत दो, हम नहीं डरेंगे। पालघर में उनके 260 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यह उनके बेटे के नाम पर है, उनकी पतनी निदेशक हैं। जांच करनी चाहिए कि उन्हें पैसे कैसे मिले। गौरतलब है कि शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने गत दिनों आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। राउत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर मुंबई के भवन निर्माताओं से पैसों की वसूली का भी आरोप लगाया

हो सकते हैं, लेकिन यह महाराष्ट्र है। यह मत भूलना। हम आपके बाप हैं, आप अच्छी तरह जानते हैं कि इसका क्या मतलब होता है। राउत ने कहा कि हम महाराष्ट्र में प्रचलित आपराधिक सिंडिकेट को खत्म करेंगे। हम रोजाना एक एक्सपोज करेंगे और इसकी जानकारी देंगे। मुंबई में शुरू हुई रंगदारी की व्यवस्था का पर्दाफाश है। संजय राउत पहले भी केंद्रीय एजेंसियों पर महाविकास अघाड़ी के नेताओं को परेशान करने का आरोप लगाते रहे हैं। राउत ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर हमारे नेताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। कुछ भाजपा नेता कहते सुनाई दे रहे हैं कि 10 मार्च तक सरकार गिर जाएगी।

बंगाल में तृणमूल विधायक मदन मित्रा के बयान पर विवाद

कोलकाता। अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा ने शुक्रवार को यह दावा कर विवाद खड़ा कर दिया कि उन्हें डर है कि उन्हीं की पार्टी के नेताओं का एक वर्ग 27 फरवरी को होने वाले निकाय चुनाव के दौरान उनके निर्वाचन क्षेत्र के नगरपालिका क्षेत्र में वोट लूटने के लिए बाहर से बदमाशों को ला सकता है। मित्रा ने कहा कि उन्होंने पुलिस को कमरहाटी नगर पालिका में चुनाव में धांधली की कथित साजिश की जानकारी दी है। मित्रा ने संवाददाताओं से कहा, अगर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है तो इलाके के तृणमूल कार्यकर्ता पार्टी के नाम पर वोट लूटने के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे। मित्रा की टिप्पणी से आग-बबूला तृणमूल ने कहा कि पार्टी के पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। वहीं, विपक्षी भाजपा को सत्तारूढ़ तृणमूल पर हमला करने का मौका मिल गया और उसने दावा किया कि अब यह साबित हो गया है कि तृणमूल चुनावों में धांधली करती है। उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी से विधायक मित्रा ने कहा कि उन्होंने सुना है कि दूसरे जिले के विभिन्न स्थानों से हथियारबंद बदमाशों को उनके निर्वाचन क्षेत्र में पहुंचने के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे कैनिंग, भोजेरहाट, भांगर और अन्य स्थानों से लोगों के फोन आ रहे हैं। वे यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या कमरहाटी में हिंसा की आशंका है।

19/2/022 को नगर परिषद ब्यौहारी में माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा इंदौर में बने एशिया के सबसे बड़े गोबर धन प्लांट का हो रहे लाइव

(आधनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल । उद्धघाटन का लाइव प्रसारण कराया गया एवं साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2021-22 के अंतर्गत स्वच्छता कार्य में अच्छा कार्य व प्रदर्शन करने वाले स्वच्छता अधिकारी कर्मचारी व कोविड़ 19 महामारी काल के यसस्वी विधयाक श्री शरद जुगलाल कोल, अनुविभागीय अधिकारी महोदया राजस्व (प्रशासक) शुश्री ज्योति परश्ते, भा ज पा जिला महामंत्री श्री संजय गुप्ता ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री संतराम चौहान, सहायक राजस्व निरीक्षक श्री गोवर्धन उपाध्याय, पुष्पेंद्र चतुर्वेदी, स्वच्छ्ता

में स्वच्छता शाखा से अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारी , वाहन चालक ,सफाई मित्रो को प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया साथ ही उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई कार्यक्रम में ब्यौहारी विधानसभा निरीक्षक श्री सौरभ कुमार वर्मा, श्री मती राधा गुप्ता ,हरीश नामदेव, विद्यासागर, रामयश व समस्त सफाई मित्रों व कर्मचारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साप्ताहिक राशिफल

मेष- आर्थिक मामले सुलझ जाएंगे। दाम्पत्य जीवन सुखद हो सकता है। आप समझौते और विनम्रता से उलझे हुए मामले निपटा सकते है।

वृष- काम में आपका मन नहीं लगेगा। बिजनेस में नए एग्रीमेंट अभी न करें तो ही अच्छा है। सेहत के मामले में सप्ताह ठीक-ठाक रहेगा।

मिथुन- बिजनेस में कुछ नया करने के चक्कर में आपकी परेशानी बढ़ सकती है। मन में जो उठापटक चल रही है उस वजह से काम में कहीं मन नहीं लगेगा।

कर्क- नौकरी और बिजनेस में अचानक फैसले लेने पड़ेंगे। नुकसान भी हो सकता है। किसी अनचाहे नुकसान के लिए तैयार रहें।

सिंह- आपके सोचे हुए कुछ काम पूरे नहीं हो पाएंगे। कई तरह के विचारों में आप उलझ सकते हैं।

कन्या- बिजनेस में कुछ नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। पार्टनर से सहयोग और सुख मिलेगा।

तुला- सप्ताह आपके लिए अच्छा है। आप परिस्थितियों का फायदा उठाकर अपने काम पूरे कर सकते हैं।

वृश्चिक- लव लाइफ में गलतफहमियां हो सकती हैं। किसी मामल में लापरवाही न करें।

धनु -दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा। नए काम शुरू होंगे और सोचे हुए काम भी पूरे होंगे।

मकर- किसी नकारात्मक मामले में फंसे तो आप कोई महत्वपूर्ण मौका भी गंवा सकते हैं।

कुंभ - ऑफिस में खुद को नियंत्रण में रखें। पद लाभ का योग बन रहा है। कार्यक्षेत्र की परेशानियां खत्म हो सकती हैं।

मीन - नए काम और नई बिजनेस डील सामने आ सकती है।

गोशाला में दी गई हरी सब्जियां व 11 क्विटल पशु आहार

सोनभद्र। गो सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत अग्रवाल समाज के लोगों ने नगर पालिका परिषद से संचालित गोशाला में शुक्रवार को 11 क्विटल पशु आहार व हरी सब्जियां उपलब्ध करवाया, जिससे गो माता को भोजन मिल सके। अग्रवाल बंधुओं व महिलाओं ने कहा कि हिदू समाज में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। माता हमेशा पूज्यनीय होती हैं। गो माता में तो हिदू धर्म के अनुसार 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है। शरीर के तमाम रोग गो माता को छूने मात्र से समाप्त हो जाते हैं। गो माता की सेवा अवश्य करनी चाहिए। उपस्थित बंधुओं ने कहा कि समाज के लोगों द्वारा भविष्य में भी गो माता की सेवा की जाती रहेगी। इस मौके पर गोशाला के प्रभारी तथा नगर पालिका के अन्य अधिकारियों समेत अग्रवाल समाज के लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के धर्मराज जैन, संजय अग्रवाल, राजेश बंसल, पंकज कानोडिया, मुनमुन, शालू अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, अमित अग्रवाल, प्रिस जैन, बंटी अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

साहित्यकार अजय शेखर को किया सम्मानित

सोनभद्र। वरिष्ठ साहित्यकार अजय शेखर को सम्मानित किया गया। महर्षि बाल्मीकि सेवा संस्थान के मार्गदर्शक व संयुक्त क्षेत्र सेवा प्रमुख यूपी/उत्तराखंड राधेश्याम त्रिपाठी व विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष व रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय का लिखित सम्मान पत्र पढ़कर सुनाए जाने के साथ शेखर को अंगवस्त्रम स्मृति चिन्ह तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। समारोह में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र नाथ शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष विनोद कुमार चौबे, वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ शिवेंद्र, जगदीश पंथी, चंद्रभान राय, राकेश शरण मिश्रा, प्रदुमन त्रिपाठी, अमरनाथ अजेय, सुशील राही, किसान नेता चंद्रभूषण पांडेय रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 मार्च को

सोनभद्र। जिले के न्यायालयों में 12 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इसकी अध्यक्षता अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला न्यायाधीश अशोक कुमार यादव प्रथम करेंगे। यह जानकारी देते हुए प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार ने बताया कि लोक अदालत जनपद न्यायालय एवं वाह्य न्यायालय दुद्धी के प्रांगण में होगा। इसके अलावा राजस्व संबंधी वादों के लिए लोक अदालत सभी राजस्व न्यायालय परिसर में आयोजित किया जाएगा।

वृद्ध महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या की आशंक चोपन थाना क्षेत्र के कुरहुल की घटना

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र ।गुरमा -चोपन थाना क्षेत्र के कुरहुल गांव मे शुक्रवार की सांय 80 वर्षीय वृद्धा का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से हड़कंप मच गया। वही गांव वालों ने वृद्धा की गला मौत गला रेतकर हत्या की आशंका जाहिर कर रहे है। घटना के बाबत बताया जाता है कि कुरहुल गांव निवासिनी चंपा देवी पत्नी स्वः रामदुलारे पाण्डेय उम्र लगभग 80 वर्ष उनके पति की मौत हो जाने से अकेले जीवन यापन करती थी। चूकी उनकी कोई संतान नहीं थी।उनका शव शुक्रवार की सांयकाल संदिग्ध अवस्था में मिलने से गांव के लोगों ने डायल 112 पर सूचना दिया। चोपन पुलिस मौके पर पहुंचकर मौके के परिस्थितियों से अवगत होते हुए शव को पंचनामा कर शव को अंत परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय भेज दिया।वही बीते 7 जनवरी को चोपन थाना क्षेत्र के बेलछ मे सिद्धेश्वरी देवी उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी गणेश यादव का हत्या किया शव अरहर के खेत मे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था।मृतका के भाई दयाराम यादव के तहरीर पर हत्या का मुकदमा कायम हुआ था।

ट्रेन की गति सीमा बढ़ाने को 44. 41 करोड़ स्वीकृत करने का आदेश

सोनभद्र। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज अंतर्गत चोपन चुनार एकल रेलखंड पर गति सीमा बढ़ाये जाने के लिए चल रहे कार्यों हेतु रेलवे बोर्ड रेल मंत्रालय ने 44 करोड़ 41 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का आदेश जारी कर दिया है। इस आशय का आदेश पंकज कुमार निदेशक (प्रोजेक्ट मानिटरिग) रेलवे बोर्ड ने महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे को 15 फरवरी को जारी कर दिया है। इस संबंध में राज्यसभा सांसद रामशकल के साथ क्षेत्रीय रेल परामर्श दात्री समिति उत्तर मध्य रेलवे के सदस्य एसके गौतम ने चेयरमैन एवं सीईओ विनय कुमार त्रिपाठी से मिलकर गत वर्ष कोविड-19 कारण रोक दी गई इस धनराशि को शीघ्र स्वीकृत कर जारी करने का अनुरोध किया था। इस पर उन्होंने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया था। यह धनराशि उप कार्य के लिए अंब्रेला वर्क 2021-22 में प्रस्तावित थी, लेकिन कोविड-19 के कारण अंब्रेला वर्क में प्रस्तावित देश भर में यह धनराशि रोक दी गई थीं। इसकी मांग गौतम ने 15 नवंबर 2021 को प्रयागराज में आयोजित क्षेत्रीय सलाहकार समिति बैठक के एजेंडा में रखी थी, जिस पर महाप्रबंधक ने लिखित रूप से आश्वस्त किया था कि धनराशि जारी किए जाने हेतु प्रस्ताव रेलवे बोर्ड भेजा हुआ है, स्वीकृति मिलते ही सितंबर 2022 तक गति सीमा बढ़ाए जाने के सभी कार्य पूरे कर दिए जाएंगे। ज्ञात हो उत्तर मध्य रेलवे द्वारा चोपन चुनार रेलखंड के राबर्ट्सगंज, लूसा, खैराही एवं सत्तेशगढ़ रेलवे स्टेशनों पर अत्याधुनिक सिगन्ल प्रणाली इंटरलॉकिग कार्य पूरे हो गए हैं। शेष बचे चुर्क व अघोरी खास स्टेशनों पर मार्च 2022 तक इंटरलॉकिग कार्य पूर्ण हो जाएगा। चुर्क से लूसा स्टेशन 40 किलोमीटर रेलवे ट्रैक पर 100 किलोमीटर गति सीमा बढ़ाने के कार्य पूरे हो चुके हैं। रेलगाड़ियां 100 किमी प्रति घंटे गति से संचालित हो रही हैं। शेष बचे 63 किमी रेलवे ट्रैक पर गति सीमा बढ़ाये जाने के कार्य उक्त स्वीकृत धनराशि से पूरे हो जाएंगे, जिसमें रेलखंड पर कर्व, घुमाव, टीटीएम, रेल पटरियों को बदलना आदि कार्य होंगे। विश्वनाथपुरी नए हाल्ट स्टेशन का निर्माण कार्य भी जारी है। इस एकल रेल लाइन के आधारभूत संरचना कार्य पूरा होने एवं 100 किमी स्पीड से रेलगाड़ियों के संचालन से उर्जांचल के सिगरौली व शक्तिनगर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली तक नई रेल गाड़ियों का संचालन ज्यादा होगा। रेलगाड़ियों की लेट लतीफी से छुटकारा मिलेगा। ज्ञात हो सिगरौली से चोपन, शक्तिनगर से करैला रोड व चोपन से रमना रेल खण्डों पर दोहरीकरण कार्य पहले से ही तीव्र गति से जारी है व काफी कार्य पूरा हो चुका है। विद्युतीकरण कार्य सभी रेल खण्डों पर गत वर्ष में ही पूरा हो गया है।

फिर पुरानी जिदगी जीने के लिए विवश हैं सेंदूर, मकरा के लोग

रेणुकूट (सोनभद्र)। क्षेत्र के सेंदुर (मकरा) ग्राम पंचायत में बीते नवंबर व दिसंबर माह में 2 माह के अंतराल पर हुए लगभग 3 दर्जन से अधिक मौतों का मामला ठंडा पड़ने के बाद ग्रामीण एक बार फिर से पुरानी जिदगी जीने को मजबूर हो गए हैं। करीब 2 माह बाद एक बार फिर गांव अपनी पुरानी पटरी पर लौट आया है। नवंबर माह में जब मौतों का मामला प्रदेश स्तर पर सुर्खियों में आया था तब उस समय गांव में प्रतिदिन प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में लोग पहुंचते रहते थे और यहां मजमा लगा रहता था। परंतु 2 माह के बाद एक बार फिर से मामला ठंडे बस्ते में चला गया है। उस समय गांव में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक व राज्यमंत्री संजीव गोंड़ भी पहुंचकर गांव में मौतों की वजह दूषित पेयजल को बताया था। उस समय ग्रामीणों को टैंकर से पेयजल उपलब्ध हो रहा था और उन्हें आश्वासन मिला था कि जल्द ही गांव में आरो प्लांट की स्थापना हो जाएगी मगर अब न तो उन्हें टैंकर से पानी ही मिल रहा है और ना ही आरो प्लांट की स्थापना हो पाई है। मकरा में ग्रामीण एक बार फिर उसी दूषित पेयजल का सेवन कर रहे हैं। गांव में अब मलेरिया रोधी दवा का भी छिड़काव नहीं हो रहा है। अब उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं। गांव में स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक चिकित्सक तैनात हुए थे, लेकिन वे अब नहीं आते हैं। इससे एक बार फिर यहां का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सक विहीन हो गया है। फिलहाल गांव में मलेरिया तो नहीं फैल रहा है लेकिन लगातार हुई 40 से ज्यादा मौतों से लोग अभी भी सहमे हुए हैं उनके मन में अनजाना भय समाया हुआ है कि पता नहीं कब एक बार फिर से मौत का तांडव शुरू हो जाए और उसके शिकार कितने लोग बन जाए। यह सब सोचकर ग्रामीण अभी भी सशंकित रहते हैं लेकिन वह प्रशासन की उपेक्षा से वह काफी परेशान है। फिलहाल गांव में आए दिन तमाम राजनीतिक पार्टियों के लोग पहुंच रहे हैं और उन्हें आश्वासनों की घुट्टी भी पिला रहे हैं और आम मतदाता चुपचाप उनकी बातों को सुनकर अपने काम में लग जा रहा है। लगा आरओ प्लांट साबित हो रहा महज छलावा प्राथमिक विद्यालय मकरा में एक आरओ प्लांट लगाया गया है। इससे पानी की आपूर्ति के लिए महज 600 मीटर पाइप बिछाया गया है। इससे सिर्फ चार छह घरों को ही फायदा हो पा रहा है। शेष लोग दूषित पानी पीने के लिए विवश हैं। छलावा साबित हो रहा है। जबकि ग्राम पंचायत सेंदूर (मकरा) की आबादी करीब 6000 है। पूर्व प्रधान रामभगत, कमला प्रसाद, रीना देवी, किस्मतिया, सूरज कुमार, दिनेश ने मांग किया कि पूरे गांव में आरओ प्लांट बैठाया जाए, जिससे दूषित पानी से बचा जा सके।

बरात में मारपीट में चार पर मुकदमा

चुनार (मीरजापुर) । कोतवाली क्षेत्र के सीखड़ गांव में बुधवार की रात बरात में मारपीट के मामले में पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया। पीड़ित जय प्रकाश कनौजिया ने तहरीर दी थी। जयप्रकाश की पुत्री सुमन के विवाह की रश्म पूरी कराई जा रही थी। इसी बीच गांव के ही एक व्यक्ति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि वह जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर गालियां देने लगा। इसके बाद बरातियों के साथ अन्य के साथ मिलकर मारपीट भी की। इसमें अभिमन्यु, छबीले और राजकुमार चोटिल हो गए। कोतवाल गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

अबूझहाल में फंदे से झूलती मिली छात्रा, मौत

कछवां (मीरजापुर) । क्षेत्र के तिवारीयान वार्ड कस्बा कछवां में गुरुवार की सुबह अबूझहाल में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा शिवानी कुशवाहा (19) फांसी के फंदे से झूलकर जान दे दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इससे स्वजन में कोहराम मचा रहा। मुनन कुशवाहा पतनी सीता के साथ सरसों की फसल काटने गए थे। घर पर अकेले रह रही शिवानी छत में लगे पंखे की खूंटी में मफलर के सहारे फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया। प्यास लगने पर घर पर पानी पीने पहुंची मां सीता पहुंची तो पुत्री को फांसी पर झूलता देख अवाक रह गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर थानाध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा मयफोर्स पहुंच गए और शव को नीचे उतरवाकर पीएम को भेजा। भदोही जनपद के सुरियांवा गांव में मृत छात्रा के चचेरे मामा ने भी चार दिन पूर्व फांसी लगा ली थी।

पंचायत राज विभाग के अभिलेख में अधूरे हैं 35 पंचायत भवन

सोनभद्र ।जिले की ग्राम पंचायतों में सचिवालयों के संचालन का शासन का सपना साकार नहीं हो रहा है। पंचायत राज विभाग का दावा है कि ज्यादातर ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन बन चुके हैं। विभागीय अभिलेख में महज 35 पंचायत भवन ही अधूरे हैं जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। कोन ब्लाक में 31 में से चार ग्राम पंचायत मझिगवां, मिश्री, खेतकटवा, चेरवाडीह में पंचायत भवन नहीं बने हैं। एडीओ पंचायत महिपाल लाकड़ा ने बताया कि मनरेगा से पैसा नहीं मिलने से निर्माण अधूरा है। इसी तरह चतरा ब्लाक के ढ़ोढ़री में पंचायत भवन का छत पड़ा हुआ है। प्लास्टर व फर्श का कार्य एवं खिड़की व दरवाजा लगना अवशेष है। घेवल में प्लास्टर व फर्श का कार्य अधूरा है। खिड़की व दरवाजा भी नहीं लगा है। संडी गांव में फर्श का कार्य अवशेष है। कूराकला में पंचायत भवन का कार्य धीमी गति से चल रहा है। बगहीं में फर्श, रंगाई पुताई का कार्य व खिड़की दरवाजा का कार्य अवशेष है। नौडीहा में जमीन विवाद के कारण पंचायत भवन का कार्य नींव स्तर तक ही हुआ है। इसी तरह तमाम ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का कार्य अधूरा है। इन भवनों में पंचायत सचिवालय चलाने का सपना भी अधूरा रह गया है। सचिवालय न चलने से अब भी लोगों को ग्राम पंचायत संबंधित कागजात लेने के लिए सचिवों के घर का चक्कर काटने के लिए विवश होना पड़ता है। जिले में 629 ग्राम पंचायतें हैं। इसमें से 594 ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिवालयों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। 35 में निर्माण अधूरा है। संबंधित सचिवों को पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है और जल्द ही कार्य पूर्ण कराने का निर्देश भी दिया गया है। एडीओ पंचायतों के साथ ही समय-समय पर मेरे द्वारा निरीक्षण कर व समीक्षा कर निर्माण के प्रगति की जानकारी ली जा रही है।

अनियमितता पर ग्राम पंचायतों के प्रधान व सचिव को नोटिस

सोनभद्र। शासन की प्राथमिकताओं में शुमार शौचालयों के निर्माण कार्य में भारी अनियमितता व लापरवाही हुई है। इस मामले में ग्राम पंचायतों के प्रधानों व सचिवों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। नगवा ब्लाक में शौचालयों के निर्माण में ग्राम प्रधान व सेक्रेटरी रूचि नहीं ले रहे हैं। आवंटित शौचालयों के निर्माण की प्रगति काफी धीमी है। इस पर खंड विकास अधिकारी राकेश सिंह ने नाराजगी जाहिर की। ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधान व सचिवों को नोटिस जारी किया है। चेतावनी दी कि यदि 3 दिन में निर्माण पूरा नहीं होता है तो संबंधितों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ ने बताया कि नगवां ब्लाक के पड़री के ग्राम प्रधान बाबूलाल व सचिव सतीश चंद्र यादव को नोटिस जारी की गई है। इस गांव में 18 शौचालय निर्माण का लक्ष्य था लेकिन निर्माण की प्रगति केवल 5 शौचालय पर है। यहां स्थिति काफी खराब है। पूर्व में उपनिदेशक व डीपीआरओ ने समीक्षा कर एक सप्ताह में शौचालयों के निर्माण पूर्ण कराने का निर्देश दिया था, इसके बावजूद प्रगति काफी धीमी है और जियो टैगिग का कार्य भी धीमी गति से हो रहा है। इस पर उन्होंने प्रधान व सेक्रेटरी को 3 दिन में शौचालयों के निर्माण पूर्ण कराने का निर्देश जारी किया है। बनबहुआर में 17 शौचालयों में से चार का कार्य प्रगति पर है। यहां प्रधान उर्मिला व सचिव संजय सिंह को नोटिस जारी की गई है। नगांव गांव में 14 शौचालय आवंटित हुए जिसमें से दो का कार्य प्रगति पर है। यहां प्रधान ओमप्रकाश व सचिव सुजीत कुमार सिंह को नोटिस जारी की गई है। सरईगढ़ ग्राम पंचायत में 263 शौचालयों में से 61 शौचालयों का कार्य प्रगति पर है। यहां ग्राम प्रधान शंकर व सचिव संजय सिंह को नोटिस जारी की गई है। इसी तरह कजियारी ग्राम पंचायत में 15 शौचालय आवंटित हैं लेकिन यहां एक भी शौचालय का कार्य प्रगति पर नहीं है। इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए ग्राम प्रधान व सचिव को नोटिस जारी किया है। पटवध गांव में 23 शौचालयों का निर्माण होना है जिसमें 14 का कार्य प्रगति पर है। यहां की ग्राम प्रधान संगीता व सचिव सुजीत कुमार सिंह को नोटिस जारी किया गया है। का कहना है कि 3 दिन के अंदर पर्याप्त संख्या में राजमिस्त्री लगाकर शौचालय का पूर्ण नहीं कराया गया तो संबंधित के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

कमिशनर ने विंध्य कारिडोर के निर्माण के प्रगति को परखा

मीरजापुर । मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व प्रोजेक्ट मैनेजर राजीव सिंह ने गुरुवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर का निरीक्षण किया। मंडलायुक्त ने निर्माणाधीन विंध्य कारिडोर के प्रगति को बारीकी से परखा और आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने मां विंध्यवासिनी मंदिर के निकट अनन्पूर्णा मंदिर के पास बन रहे पिलर का जायजा लिया। परिक्रमा पथ पर कूड़ा-करकट व मलबा देख समतलीकरण कर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही बैरिकेडिग कर कार्य करने को कहा। गंगा प्रदूषण ओमप्रकाश, थाना प्रभारी विंध्याचल नीरज पाठक आदि थे। मंडलायुक्त ने कहा कि विंध्य कारिडोर का निर्माण कार्य तो चल ही रहा है। अब ग्राउंड पर कार्य चल रहा है। गंगा का जलस्तर कम हुआ है। विंध्याचल आने वाले श्रद्धालु गंगा सनन व आचमन के लिए घाट पर जरूर पहुंचते हैं। ऐसे में गंगा तट पर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ हो, ताकि श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो। आस्था के साथ लोकतंत्र के लिए भी मतदान का लें संकल्प निर्माणाधीन विंध्य कारिडोर के निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित भी किया। पटेंगरा पुल के नीचे वाल पेंटिग के जरिए मां विंध्यवासिनी, मां अष्टभुजा व मां काली मंदिर को दर्शाया जा रहा है। निर्माणाधीन सड़क का

को विंध्यवासिनी मंदिर से पक्का घाट तक जल्द से जल्द सीवर का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिय। विंध्याचल के समस्त गंगा घाटों के किनारे व गंगा के बीच रेत पर साफ-सफाई के लिए ईओ नगर पालिका परिषद मीरजापुर को निर्देशित किया। वहीं मंदिर के पास पीपल के पेड़ में छू रहे बिजली के तार को व्यवस्थित करने को कहा। इस दौरान राजकीय निर्माण निगम एई, जेई, पीडब्ल्यूडी के जेई प्रवीण कुमार चौहान, एक्सईन विद्युत विभाग मनोज यादव, ईओ निरीक्षणमंडलायुक्त व जिलाधिकारी ने विंध्याचल फोरलेन से अस्पताल मार्ग का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। गुणवत्ता खराब पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। अधिकारियों ने निर्माणाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया। साथ ही कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।

धान खरीद बंद होने से किसानों का फूटा गुस्सा, किया प्रदर्शन

जमालपुर (मीरजापुर) । एक सप्ताह से धान खरीद बंद होने से क्षेत्र के कई गांवों के अनन्दाताओं का गुरुवार को गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित किसान ब्लाक मुख्यालय पर बोरे में धान लेकर पहुंच गए और करीब एक घंटे तक नारेबाजी करते

हुए प्रदर्शन किया। किसानों ने डीएम को संबोधित पत्रक बीडीओ रवींद्र नारायण सिंह को सौंपा। बीडीओ के आश्वासन पर किसानों ने प्रदर्शन समाप्त किया। चेतावनी दी कि अगर अविलंब धान खरीद शुरू नहीं कराया गया तो आंदोलन तेज करने को बाध्य होंगे। अनन्दाताओं ने आरोप लगाया कि धान खरीद के लिए निर्धारित तिथि 28 फरवरी से पहले ही जिला मुख्यालय से पोर्टल बंद कर दिए जाने से धान क्रय केंद्रों पर खरीद न होने से किसान परेशान है। किसानों ने एक दिन में धान खरीद की मात्रा 350 क्विटल कर धान खरीद की तिथि 31 मार्च तक बढ़ाए जाने की मांग की। इस दौरान बहुआर, ओड़ी, चौकियां ,मठना, जयपट्टी कलां एवं जमालपुर साधन सहकारी समिति धान क्रय केंद्र के किसान मौजूद रहे। बिचौलियों का खरीद किए जाने से किसान परेशान किसानों ने आरोप लगाया कि केंद्र प्रभारियों द्वारा बिचौलियों का धान खरीद किए जाने के कारण किसान धान बेचने से वंचित रह गए और दर दर की ठोकरें खाने को विवश हैं। अनन्दाता मंच के संरक्षक रमेश सिंह ने कहा कि अगर धान खरीद शुक्रवार से शुरू नहीं कराया गया तो 19 फरवरी से पुनः ब्लाक मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर प्रधान संघ अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह, विज्ञान सिंह, बेचू बियार, गोपाल सिंह, महराजी देवी, विवेक पटेल, भृगुनाथ सिंह, राधेश्याम सिंह आदि किसान मौजूद रहे। राजगढ़ : क्षेत्र में खुले धान क्रय केंद्र पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। केवल सरकारी केंद्र खुला है वहां पर भी धान खरीद नहीं हो रही है, किसान परेशान हैं। प्राइवेट धान क्रय केंद्र धनसिरिया, ब्लाक मुख्यालय परिसर में खुला धान क्रय केंद्र बंद, कोन भरुहवा में खुला धान क्रय केंद्र पर दो दर्जन से ज्यादा किसान धान लदा ट्रैक्टर लेकर खड़े हैं। किसान अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। क्षेत्र के किसान निरंजन सिंह, शरद मिश्रा, सुभाष सिंह, भल्लू ने बताया कि केंद्र प्रभारी की लापरवाही से अभी तक अंगूठा नहीं लग पाया है। राजगढ़ धान क्रय केंद्र प्रभारी एसएमआइ राजेश कुमार ने बताया कि किसानों का धान तौल किया जा रहा है। आज भी किसानों का धान खरीद हुआ है, एक दिन में एक किसान से 30 क्विटल से ज्यादा का अंगूठा नहीं लगाया जा रहा है।

अंतिम दिन कलेक्ट्रेट परिसर में गहमा-गहमी, 45 का नामांकन

मीरजापुर । विधानसभा चुनाव के नामांकन के अंतिम दिन कलेक्ट्रेट परिसर में काफी गहमागहमी रही। भारतीय जनता पार्टी और निर्बल इंडियन शोषित हमारा आमदल निषाद पार्टी के गठबंधन प्रत्याशी डा. विनोद कुमार बिद ने मझवां विधानसभा से नामांकन किया। वहीं समाजवादी पार्टी ने मझवां व मड़िहान में प्रत्याशी बदले हैं। विधानसभा मझवां से रोहित शुक्ला लल्लू तो मड़िहान से रविद्र बहादुर सिंह ने नामांकन किया। नामांकन के दौरान संबंधित विधानसभाओं के प्रेक्षकों ने नामांकन कक्ष एवं कलेक्ट्रेट परिसर में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधानसभा छानबे से सीपीआई से कन्हई, आम आदमी पार्टी से मुनन लाल, जन अधिकार पार्टी से सर्वेश कुमार, राष्ट्रीय समाज पक्ष से शिवपूजन, निर्दल अर्जुन तथा बहुजन मुक्ति पार्टी से सरोज सरगम ने नामांकन किया। विधानसभा मीरजापुर से एआईएमआई से बदरूद्दीन हाशमी, गरीब समाज पार्टी से अनवर अली, निर्दल प्रत्याशी चन्द्र विजय निषाद, राष्ट्रीय समाज पक्ष से धनंजय कुमार, अखिल भारतीय सोशलिस्ट पार्टी से सुरेश चंद्र, आजाद समाज पार्टी (काशी राम) से संदीप कुमार, निर्दल प्रत्याशी विजय कुमार, निर्दल प्रत्याशी चंद्रिका प्रसाद, सुरक्षा समाज पार्टी से विपिन कुमार श्रीवास्तव तथा निर्दल प्रत्याशी जगदीश प्रसाद ने नामांकन किया। विधानसभा मझवां से आम आदमी पार्टी से शेषधर दुबे, जनता दल यूनाइटेड से अखिलेश, राष्ट्रीय समाज दल आर से इसरार अहमद, निर्दल श्याम लाल, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से अभिषेक, समाजवादी पार्टी से रोहित शुक्ला, निषाद पार्टी व भारतीय जनता पार्टी से सयुंक्त रूप से विनोद बिद, निर्दल सुनील कुमार, सुरक्षा समाज पार्टी से मृत्युजंय सिंह, जन अधिकार पार्टी से दीपा मौर्या, राष्ट्रवादी विकास पार्टी से कमलेश कुमार, निर्दल श्याम जन अधिकार पार्टी से सत्यानंद, निर्दल दिनेश कुमार, समाजवादी पार्टी से रविद्र बहादुर सिंह, राष्ट्र उदय पार्टी से भैय्या लाल पाल, जनता दल युनाइटेड से अरविद पटेल, पीपल्स पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिव पार्टी से रामचंद्र, राष्ट्रीय समाज दल आर से राजधर सिंह पटेल ने नामाकंन किया। विधानसभा चुनाव के नामाकंन के अंतिम दिन मझवां विधानसभा में दो उम्मीदवारों ने फार्म लिया। अब

लाल एवं विकासशील इंसान पार्टी से देवेंद्र कुमार मिश्र ने नामाकंन किया। विधानसभा चुनार आदमी पार्टी से सत्येंद्र कुमार सिंह, निर्दल दिनेश प्रकाश सिंह, जन अधिकार पार्टी से अनवर अली, राष्ट्रीय समाज दल आर से सुनीता देवी पटेल, जनता दल यूनाईटेड से संजय एवं रामराज सिंह पटेल ने नामाकंन किया। विधानसभा से शिवसेना से सागर पटेल, भारतीय रिपब्लिक पार्टी से राधेश्याम इंसान, आम आदमी पार्टी से राजन सिंह, तक कुल 89 उम्मीदवारों के द्वारा पर्चा लिया गया। विभिन्न पार्टियों के 45 उम्मीदवारों ने गुरुवार को नामाकंन किया। विधानसभा चुनाव में अब तक कुल 82 उम्मीदवारों ने नामाकंन किया।-चुनार विधानसभा के लिए नामांकन के अंतिम दिन सपा नेता रामराज सिंह पटेल ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, लेकिन वे पार्टी अधिकृत प्रत्याशी होने का निर्धारित प्रारूप फार्म एबी रिटर्निंग अफसर के समक्ष नहीं प्रस्तुत कर पाए।

विराट कोहली और रिषभ पंत नहीं खेलेंगे तीसरा टी20 मुकाबला, श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी आराम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली वेस्टइंडीज के साथ खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला नहीं खेलेंगे। कोलकाता को इडेन गार्डन्स में चल रही सीरीज के दूसरे मुकाबले में ही उन्होंने शानदार अर्धशतक बनाया था। जानकारी के मुताबिक ने विराट और रिषभ पंत को तीसरे टी20 मुकाबले के साथ-साथ श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से भी आराम देने का फैसला लिया है। दोनों ही खिलाडियों को बायो बबल से 10 दिन का ब्रेक दिए जाने की खबर है। पीटीआइ से एक बीसीसीआइ अधिकारी ने नाम ना बताने की शर्त पर बात करते हुए कहा, ठजी हां कोहली शनिवार ही अपने घर के लिए निकल जाएंगे, क्योंकि भारतीय टीम पहले ही सीरीज को अपने नाम कर

चुकी है। यह बीसीसीआइ द्वारा लिया गया फैसला है, पालिसी के तहत हर एक खिलाड़ी को जो लगातार सारे फार्मेट में खेल रहा है उसको बायो बबल से ब्रेक दिया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि खिलाड़ी को वर्कलोड कम हो और वह मानसिक रूप से अपने आफ को स्वस्थ रहे, अपना ध्यान रख पाएं।ठ विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में 52 रन की पारी खेली थी। 41 गेंद का सामना कर 7 चौके और 1 छक्के की मदद से उन्होंने यह पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारतीय टीम 186 रन के स्कोर तक पहुंच पाई थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में यह स्कोर खड़ा किया था। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 3 विकेट पर 178 रन ही बन पाई। लगातार दो मैच जीतकर भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के ठीक बाद भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ घर पर ही टी20 और टेस्ट सीरीज में खेलना है। 24, 26 और 27 फरवरी को यह तीन टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच लखनऊ में जबकि बाकी दो टी20 मुकाबले धर्मशाला में खेले जाएंगे। पहले टेस्ट मैच 4 से 8 मार्च के बीच मोहाली में होगा जबकि 12 से 16 मार्च के बीच दूसरा टेस्ट मैच बैंगलोर में खेला जाएगा।

टीम इंडिया 100 टी20 मैच जीतने वाली दूसरी टीम बनी, पहले नंबर पर इस देश का नाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज पर टीम इंडिया का कब्जा पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 186 रन का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट पर 178 रन बनाया। भारतीय गेंदबाजों ने आखिरी में कसी हुई गेंदबाजी कर मेहमान टीम को रन

बनाने का मौका नहीं दिया। टी20 इंटरनेशनल में भारत 100 मैच जीतने वाली दूसरी टीम बन गया। 155वें टी20 मुकाबले में 8 रन की रोमांचक जीत के साथ जीत का शतक पूरा किया। भारत ने अब तक कुल 97 मैच में विरोधी टीम को सीधे चित किया है। वहीं 3 जीत टाई मुकाबलों में हासिल की है। पाकिस्तान के खिलाफ

हो गया। लगातार दो मैच जीतने के बाद टीम ने 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसी के साथ टी20 इंटरनेशनल में 100 जीत हासिल करने वाली दुनिया की दूसरी टीम भी बन गई। तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में शुक्रवार 18 फरवरी को वेस्टइंडीज ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विराट कोहली और रिषभ पंत के अर्धशतक के दम 2007 टी20 विश्व कप में बाल आउट में जीत मिली थी। इसके अलावा दो सुपर ओवर की जीत शामिल है। सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने के मामले में पाकिस्तान पहले स्थान पर है। उसने 189 टी20 मुकाबले खेलने के बाद कुल 117 में जीत हासिल की है। तीन मुकाबले टाई हुए हैं जबकि 5 का कोई नतीजा नहीं आया है। भारत और पाकिस्तान के अलावा कोई भी टीम 100 टी20 मैच नहीं जीत पाई है।

रोहित शर्मा ने बताया, भुवनेश्वर कुमार को आलोचना के बाद भी क्यों दे रहे मौका

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज टी20 सीरीज के लगातार दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को हार मिली। दूसरे मुकाबले में रोमांचक जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा काफी

खुश नजर आए। टीम के अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आखिर में सधी गेंदबाजी से मैच को भारत के हक में मोड़ दिया। रोहित ने उनकी जमकर तारीफ की और आलोचकों को जवाब दिया। जब आप वेस्टइंडीज के इन पावर हिटर के खिलाफ खेलते हैं तो हमेशा ही थोड़े डरे हुए होते हैं। आखिर में जाकर जैसा खेल दिखाया हमने वो बहुत ही कमाल का था। शुरुआत से ही हमें इस बात का अंदाजा लग चुका था कि यह आसान तो नहीं होने वाला है। लेकिन मुझे इस बात पर गर्व है कि हमने अपने प्लान को दबाव में भी काफी अच्छे तरीके से अमल में लाने में कामयाबी हासिल की। जब भुवनेश्वर कुमार ने गेंदबाजी की वो ओवर मैच के बहुत ही ज्यादा अहम थे। रोहित ने इस बात को साफ कर दिया कि आलोचना के टीम के खिलाडियों को मौका देने पर फर्क नहीं पड़ता। अनुभवी खिलाड़ी टीम के लिए हमेशा काम आता है अगर वह दबाव में अच्छा खेल दिखाए। रोहित बोले, यही वो वक्त होता है असल में जब आपके पास जो अनुभव है वो काम आता है। भुवी काफी सालों से यह काम अच्छे से करते आ रहे हैं और हम उनपर इस चीज को लेकर काफी ज्यादा भरोसा करते हैं वहीं वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने पोवेल और निकोलस पूरन के पारी की तारीफ की। कप्तान बोले, वह आज बहुत ही अच्छा खेले। उनकी पूरन के साथ निभाई गई साझेदारी ने मैच लगभग हमारे हाथ से छीन ही लिया था

बिहार के युवा बल्लेबाज ने तोड़ा वर्ल्ड रिकार्ड, डेब्यू मैच में बना डाली ट्रिपल सेंचुरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में एक से बढ़ कर एक दिग्गज बल्लेबाज हुए हैं जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट पर राज किया है। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और अब रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली अपने बल्ले से गेंदबाजों की नींद उड़ा रहे हैं। भारत के एक युवा बल्लेबाज ने शुक्रवार 18 फरवरी 2022 को फर्स्टक्लास डेब्यू पर ऐसी पारी खेली जिसने इतिहास रच दिया। पहले ही मैच में बिहार के युवा साकिबुल घनी ने तिहरा शतक जड़ते हुए विश्व रिकार्ड बना डाला रणजी ट्राफी के पहले चरण के अपने पहले मुकाबले में खेलने उतरे बिहार ने पहली पारी में मिजोरम के खिलाफ विशाल स्कोर खड़ा किया। दूसरे दिन 5 विकेट पर टीम ने 686 रन बनाकर पारी घोषित की। इस पारी में एक बल्लेबाज ने ऐसी पारी खेली जिसे पहली बार टीम में जगह दी गई थी। साकिबुल घनी ने 405 गेंद पर 341 रन की बेमिसाल पारी खेल डाली जबकि

बाबुल ने नाबाद 229 रन बनाए। बिहार के 22 साल के युवा बल्लेबाज साकिबुल गनी ने फर्स्टक्लास डेब्यू मैच में ही इतिहास रच दिया है। वह पहले मैच में तिहरा शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। मिजोरम के खिलाफ गुरुवार 18 फरवरी 2022 को यह खास उपलब्धि हासिल की। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने गनी ने 5वें नंबर बल्लेबाजी करते हुए 387 गेंद का सामना करने के बाद ट्रिपल सेंचुरी पूरी की। फर्स्टक्लास मुकाबले मे लिस्ट ए जैसी तेज बल्लेबाजी करते हुए 84.20 के स्ट्राइक रेट से 405 गेंद पर 341 रन की पारी खेली। इस दौरान 56 चौके और 2 छक्के लगाए। साकिबुल बिहार की ओर से फर्स्टक्लास क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी जमाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले 1967 में आनंद शुक्ला ने ओडिसा के खिलाफ नाबाद 242 रन की पारी खेली थी। साकिबुल डेब्यू पर 341 रन की पारी खेली जो एक वर्ल्ड रिकार्ड है। मध्यप्रदेश के अजय रोहेरा 2018-19 के रणजी सीजन में हैदराबाद के खिलाफ 267 रन बनाए थे जो सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर था। मुंबई की तरफ से 1993-94 में डेब्यू मैच में दिग्गज अमोल मजूमदार ने हरियाणा के खिलाफ 260 रन की पारी खेली थी। बाहिस शाह ने 2017 में नाबाद 256 रन बनाए थे जबकि 1920 में एरिक मार्क्स ने डेब्यू पर 240 रन की पारी खेली थी। 341 रन की पारी के दौरान साकिबुल ने कुल 56 चौके लगाए जो किसी एक पारी में बल्लेबाज द्वारा रिकार्ड है। इससे पहले केदार जाधव ने साल 2012 में यूपी के खिलाफ खेलते हुए पारी के दौरान 54 चौके लगाए थे। वहीं पुनीत बिष्ट के बल्ले से 2018 में के पारी के दौरान कुल 53 चौके देखने को मिले थे। भारतीय दिग्गज वीवीएस लक्ष्मण ने कर्नाटक के खिलाफ साल 2000 में 52 चौके जमाए थे।

दिल्ली मेट्रो में अधिकतम 4000 लोग एक बार में कर सकेंगे यात्रा, पढिये डीएमआरसी का पूरा प्लान

नई दिल्ली। अगले कुछ महीनों के बाद दिल्ली-एनसीआर की लाइफलाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो का सफर और भी सुहाना होने जा रहा है, क्योंकि कई रूटों पर 6 के बजाय 8 कोच वाली मेट्रो ट्रेन दौड़ेगी। इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम तेजी से तैयारी कर रहा है। इससे यात्रियों का सफर न केवल और आसान होगा, बल्कि आरामदायक भी हो जाएगा, क्योंकि इन 8 कोच वाली मेट्रो ट्रेनों में 400-500 के करीब यात्री सफर कर सकेंगे। डीएमआरसी आगामी महीनों में पूर्वी दिल्ली मेट्रो की 3 लाइनों (येलो, ब्लू और रेड) पर मेट्रो में 120 नए कोच जोड़ने जा रहा है। इसके बाद 6 कोच वाली कई ट्रेनों 8 कोच की हो जाएंगीं मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि अगले कुछ महीनों में चरणबद्ध तरीके से सभी कोच मेट्रो बेड़े से जुड़ जाएंगे। नए कोच हर अगर आठ फेरे भी लगाते हैं तो प्रति फेरे में तीस हजार अतिरिक्त यात्रियों के लिए जगह बनेगी। इस स्थित में दिन भर में करीब ढाई लाख अतिरिक्त यात्री सहूलियत से मेट्रो ट्रेन का सफर कर सकेंगे। यूपी के शहरों (गाजियाबाद, साहिबाबाद, हापुड़, नोएडा और ग्रेटर नोएडा) के अलावा हरियाणा के शहरों के लोग भी दिल्ली में नौकरी, कारोबार और अन्य कामों

के लिए दिल्ली मेट्रो के जरिये आवागमन करते हैं। ऐसे नोएडा-गाजियाबाद के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद के लोगों का भी सफर आसान और आराम दायक हो जाएगा। दरअसल, दिल्ली मेट्रो की येलो, ब्लू और रेड लाइनों पर 120 नए कोच जोड़े जाएंग, जिससे दिल्ली के अलावा, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के यात्रियों का भी सफर आरामदायक होगा। सामान्य तौर पर दिल्ली मेट्रो का संचालन शुरू होने पर 6 के बजाय 8 कोच वाली मेट्रो ट्रेन में 400-500 अधिक यात्री सफर कर सकेंगे। फिलहाल कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे और प्रभाव के चलते मेट्रो के एक कोच में सिर्फ 50 फीसद यात्री ही सफर कर पा रहे हैं। कोच की संख्या में बढ़ोतरी से मेट्रो में यात्रियों को सफर के दौरान अधिक भीड़भाड़ से भी राहत मिल सकेगी। बता दें कि डीएमआरसी 2019 से ही 120 कोच मेट्रो ट्रेनों में जोड़ने की तैयारी में जुटा हुआ है। इसके लिए दो कंपनियों से खरीद के लिए करार भी था, लेकिन कोरोना की वजह से इन 8 कोच की आपूर्ति में बाधा हुई। अब कोरोना के मामलों में कमी आने के बाद इस पर तेजी से काम शुरू होगा। उम्मीद की जा रही है कि जल्द 8 कोच वाली मेट्रो ट्रेनें दिल्ली पहुंचना शुरू हो जाएंगीं।

बिहार में पुलिस की बर्बरता, बच्ची सहित महिलाओं-पुरुषों को बांधकर रेत पर बैठाया; जानवरों की तरह लाई थाने

बेलागंज(गया)। बेलागंज प्रखंड के मेन थाना क्षेत्र के मोरहर नदी में बंदोबस्त बालू घाट के सीमांकन के दौरान पुलिस ने आढ़तपुर गांव में महिलाओं पर बर्बरता सामने आई। गांव में तलाशी के दौरान में महिला, विकलांग, बुजुर्गो को बेरहमी तरीके से पिटाई की। पिटाई के बाद दर्जनों की संख्या में नाबालिग, युवक, पुरूष और महिलाओं की हाथ बांधकर नदी के रेत पर बैठाया। बंधे हुआ हाथ और पुलिस के पहरा में बालू के रेत पर चलते हुए इंटरनेट मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस के इस क्रूर और बर्बर चेहरे की हर ओर चर्चा हो रही है। 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची सहित छह महिलाओं एवं चार पुरुषों को पुलिस ने पीछे से हाथ और पैर बांधे घंटों जमीन पर बैठाए रखा। पुलिस ने हाथ बांधकर गिरफ्तार 10 लोगों को जानवरों की तरह ट्रैक्टर पर लाद बेलागंज थाना लेकर आई। मेन थानाक्षेत्र के आढ़तपुर गांव की 13 वर्षीय दूधी कुमारी के स्वजन रामस्वरूप यादव दो दिनों से सारा सुध बुद्ध खो चुके है। वे बताते है कि हम लोग खेत में मजदूरी करके अपना घर चलाते हैं। इस काम में हमारी बेटी भी हाथ बंटाती है। हमलोगों को इस मामले से कोई मतलब नहीं है। लेकिन फिर भी पुलिस वाले ने मेरी बेटी की बेरहमी से पीटा और हाथ बांधकरक ले गई। यह कथन पूजा

के पिता इंद्रदेव यादव का है। वे बताते है कि किसी तरह हम अपन बेटी के इंटर करा बीए में नाम लिखबैली हल। जेकरा से पढ़ लिख के हमनी के सहारा बनत। लेकिन पुलिस ओकरा साथे एइसन कयलक की जैसे उ उग्रवादी हे। ए वाक्या कमोबेश हर ग्रामीणों की है। बेलागंज के राजद विधायक डॉ सुरेन्द्र प्रसाद यादव ने यह पुलिसिया कार्रवाई को तालिबानी बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार तालिबानी हाथ बांध लोगों को सर कलम करता है, उसी प्रकार पुलिस ने हाथ पैर बांध महिलाओं की पिटाई की है। बिहार में कानून बेलगाम हो गया है। जनता की आवाज को तालिबानी कार्रवाई से बंद करना चाहती है। उन्होंने सरकार से मांग किया कि जिन बालू माफिया के द्वारा तालिबानी घटना को अंजाम दिया है, उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई करे। यहां की कार्रवाई और पिटाई को विधानसभा में उठाएंगे। भाकपा माले के अंचल सचिव मुंद्रिका राम ने घटना की भर्त्सना करते हुए कहा कि घोषी विधायक के नेतृत्व में शुक्रवार को पीड़ित परिवारों से मिलेंगे। ऐपवा नेत्री रीता वर्णवाल ने घटना में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शुक्रवार को जिला मुख्यालय में प्रतिवाद मार्च निकलेंगे। सरकारी काम में बांधा डालने और गांव के बालू तस्करों द्वारा व्यवधान पैदा किया गया था। इस कारण से पुलिस ने गांव में बल का प्रयोग किया गया है। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार नहीं हुआ है। वे भी सरकारी काम में व्यवधान डाला गया था। इस मामले में 10 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 28 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बालिका वधु फेम विक्रांत मेसी ने गर्लफ्रेंड शीतल ठाकुर संग लिए सात फेरे

नई दिल्ली। बॉलीवुड में आजकल शादियों का मौसम है, शुक्रावार को बालिका वधु फेम एक्टर विक्रांत मेसी ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड शीतल ठाकुर के साथ

हिमाचल प्रदेश में ट्रेडिशनल रीति रिवाजों के साथ सात फेरे लिए। शादी में परिवार के करीबी लोग और दोस्त शामिल हुए। इस दौरान सोशल मीडिया पर दूल्हा दुल्हन की तस्वीरें धूम मचा रहीं हैं। वेडिंग आउटफिट की बात करें तो विक्रांत जहां व्हाइट शेरवानी, पिंक साफे में काफी हैंडसम नजर आ रहे थे, तो वहीं शीतल रेड ब्राइडल लहंगे में बेहद ही खूबसूरत दिखी इस शादी में विक्रांत मेसी और शीतल ठाकुर के परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। इंडस्ट्री के सितारों की बात करें तो वेडिंग फंक्शन में 'द कपिल शर्मा शो' की एक्ट्रेस सुमोना चक्रवर्ती शिरकत करती नजर आईं। उनकी शादी को लेकर फैंस में भी काफी एक्साइटमेंट थी। बता दें कि विक्रांत पहले ही कोर्ट मैरेज कर चुके हैं। इसके बात उन्होंने रीति-रिवाज के साथ सात फेरे लिए। सोशल मीडिया पर विक्रांत की एक तस्वीर वायरल हो रही है जिसमें वो घोड़ी पर बैठकर अपनी दुल्हनिया को लेने आए। इसके साथ ही उनकी हल्दी सेरेमनी की भी तस्वीरें वायरल हुईं जिसमें वो अपने परिवार वालों के साथ पोज देते नजर आए। बता दें कि विक्रांत अपनी गर्लफ्रेंड से पिछले साल ही शादी करना चाहते थे, लेकिन कोविड -19 महामारी के कारण उनकी शादी टल गई। विक्रांत और शीतल 2015 से डेटिंग कर रहे थे और वे पहली बार अपनी वेबसीरीज 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' की शूटिंग के दौरान मिले थे। इंडिया टुडे से बात करते हुए, मैसी ने अपनी शादी में देरी के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा कि उनका पहला प्यार और प्राथमिकता उनके निर्माता हैं, कोविड का स्टार्ट-स्टॉप, लॉकडाउन और आंशिक लॉकडाउन, नाइट कर्फ्यू ने उनके निर्माताओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसलिए, एक्टर ने जोर देकर कहा कि अपनी प्रोफेशनल कमिटमेंट को पूरा करने के बाद वो शादी के बंधन में बंध जाएंगे।

दीपिका पादुकोण ने अपनी सफलता के राज का किया खुलासा, फिल्म 'गहराइयां' को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। फिल्मों में अपनी सॉलिड परफॉर्मर के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गहराइयां में अपने किरदार को लेकर सुर्खियों

में हैं। अब उन्होंने खुलासा किया है कि वो कभी भी किसी किरदार को ये सोच कर नहीं निभाती कि वो प्रतिष्ठित है, बल्कि वो उस किरदार को सच्चाई और ईमादारी से निभाती हैं। एएनआई से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ईमानदारी से कहूं तो सेट पर कोई ये सोच कर कदम नहीं रखता कि वो एक यादगार या प्रतिष्ठित सीन निभाने जा रहा है। मुझे लगता है कि कहानी के प्रति जितना हो सके सच्चा और ईमादार होना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार एक्ट्रेस ने कहा, हमको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक अभिनेता के लिए हर दिन एक जैसा नहीं होता।' 'कुछ दिन आप बहुत कम ऊर्जा के साथ जगते हैं लेकिन आपको एक ऊर्जावान सीन को फिल्माना पड़ता है, जबकि किसी दिन आप बहुत ऊर्जावान महसूस करते हुए लेकिन आपको उसके विपरीत आवश्यकता होती है और ऐसा करना एक अभिनेता का काम होता है।' एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'मैं हर दिन, हर सीन को एक जैसा ही लेती हूं। मुझे चीजों के साथ ओवर कुक करना पसंद नहीं है। मेरी कोशिश हमेशा वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करने और फ्लो में जाने की होती है। मैं कभी-भी नहीं सोचती कि मैं आज सेट पर कुछ यादागर या प्रतिष्ठित करने जा रही हूं।' वहीं, फिल्म गहराइयां में अपने किरदार के बारे में बता करते हुए उन्होंने कहा, 'जिस दिन ये फिल्म रिलीज हुई उस दिन मैं काफी आभार की भावनाएं महसूस कर रही थी। इस फिल्म ने मुझे बहुत कुछ सीखाया। ये एक अभिनेत्री के रूप में आकर्षक, कभी ना भूल पाने वाला अनुभव रहा है। मैं सच में आभारी हूं।'

'आया ये झुंड है' के बाद अब अभिताभ बच्चन की फिल्म 'झुंड' का दूसरा गाना 'लफड़ा झाला' रिलीज

नई दिल्ली। महानायक अमिताभ बच्चन की मोस्ट अवेटेड फिल्म झुंड रिलीज होने के लिए तैयार है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट पास आ रही हैं। उसको ध्यान में रखते हुए निर्माता फिल्म के गानों को रिलीज कर रहे हैं। झुंड के सॉन्ग आया ये झुंड के बाद अब शनिवार को फिल्म

का दूसरा गाना लफडा झाला रिलीज हो चुका है। लगभग 4 मिनट के इस फूट टैपिंग बीट्स सॉन्ग के म्यूजिक को अजय-अतुल की हिट जोडी ने तैयार किया है। अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखे इस सॉन्ग को अजय ने अपनी बेहतरीन आवाज में गाया है। इस सॉन्ग वीडियो को देख कर मालूम होता है कि गाने में किसी फंक्शन या जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस सॉन्ग के रिलीज होने की जानकारी अभिनेता ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर दी थी। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, इनकी करतूतों पे कभी नहीं लगता ताला, कोशिश करोंगे तो समझ लेना लफडा झाला। झुंड एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें अमिताभ बच्चन एक रिटायर्ड स्पोर्ट्स टीचर बिजय बरसे का मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। जो सड़क पर रहने वाले बच्चों की फुटबॉल खेलने और एक टीम बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही वो स्लुर सॉकर के फाउंडर भी हैं। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का निर्देशन नागराज मंजुले द्वारा किया जा रहा है। झुंड का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, सविता राज ने किया है। ये फिल्म 4 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। टीजर वीडियो की शुरुआत एक स्ट्रॉग म्यूजिक से होती है, जिसपर बच्चे एक खराब गाड़ी को लकड़ी के डंडों के साथ म्यूजिक के साथ ताल-मेल बीठा हुए दिख रहे हैं।

दिल्ली में 'टाइगर 3' की शूटिंग कर मुंबई लौटे सलमान खान, कटरीना कैफ, देखें तस्वीरें

नई दिल्ली। पिछले दिनों सलमान खान, कटरीना कैफ और इमरान हाशमी राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में शूटिंग कर रहे थे। अब सभी

कलाकार टाइगर फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म की शूटिंग को खत्म कर मुंबई लौट आए हैं। उन्हें शनिवार सुबह एक निजी हवाई अड्डे से बाहर आते हुए देखा गया है सलमान खान, कटरीना कैफ और इमरान हाशमी की इन तस्वीरों को पैपराजी फोटोग्राफर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। तस्वीरों सलमान, कटरीना और इमरान एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर पैपराजी ने दावा करते हुए लिखा, टाइगर 3 के शेड्यूल शूट से लौटने के बाद आज सलमान, इमरान और कटरीना को प्राइवेट एयरपोर्ट पर देखा गया। वहीं, इन तस्वीरों में एक्ट्रेस पैपराजी के अभिवादन भी करती हुई दिख रही हैं हाल ही में टाइगर 3 के सेट से सलमान खान और कटरीना कैफ की तस्वीरें सामने आईं थीं। इन तस्वीरों में कटरीना और दोनों के चेरहों पर खून लगा हुआ दिखा रहा है और दोनों टाइगर 3 के सेट पर घायल अवस्था में दिख रहे हैं। इन तस्वीरों में कटरीना ब्लैक जींस और टी-शर्ट में दिख रही है और सलमान रेड टी-शर्ट पहने हुए फिल्म के सेट पर खड़े हुए दिख रहे हैं। वहीं, सलमान खान की एक वीडियो भी वायरल हुई थी, जिसमें वो फैंस अभिवादन करते दिख रहे हैं। आपको बता दें, दिल्ली शेड्यूल से पहले तुर्की, ऑस्ट्रिया और रूस में फिल्म की महत्वपूर्ण हिस्से को फिल्माया था, जिसके बाद सलमान खान ने अपने व्यस्त शेड्यूल के चलते टाइगर 3 की शूटिंग के ब्रेक लिया था, तो वहीं, कटरीना ने अपनी शादी के चलते शूटिंग के कुछ वक्त के लिए ब्रेक ले लिया था। र टाइगर फ्रैंचाइजी की इस फिल्म में सलमान खान रॉ एजेंट के किरदार में नजर आ सकते हैं, जबकि कटरीना आईएसआई एजेंट ज़ोया का किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी। वहीं, फिल्म में सलमान खान और कटरीना के अलावा अभिनेता इमरान हाशमी जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आ सकते हैं। मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी रही इस फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है।

अमिताभ बच्चन ने प्रभास संग शूट किया 'प्रोजेक्ट के' का पहला शॉट, इंप्रेस हो जमकर की बाहुबली स्टार की तारीफ

नई दिल्ली। बालीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन संग काम करना किसी भी एक्टर के लिए सपने के सच होने जैसा है। उनके जैसे लेजेंडरी एक्टर के साथ एक फ्रेम में होना किसी के भी करियर को बूस्ट कर सकता है। लेकिन अमिताभ बच्चन खुद ऐसा सम्मान फिल्म जगत के किसी और एक्टर के साथ काम कर महसूस कर रहे हैं। यह कोई और नहीं बल्कि बाहुबली स्टार प्रभास हैं। अमिताभ बच्चन ने इस बात का खुलासा खुद सोशल मीडिया के जरिए किया। मेगास्टार अमिताभ बच्चन इन दिनों प्रभास संग नाग अश्विन की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का नाम अस्थायी रूप से 'प्रोजेक्ट के' रखा गया है। अमिताभ ने हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म में अपना पहला शॉट शूट किया। जिसकी खुशी उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा करते हुए प्रभास की तारीफ

की। पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने लिखा, पहला दिन पहला शॉट 'बाहुबली' प्रभास के साथ पहली फिल्म और उनकी कंपनी के औरा में होने यह एक सम्मान है, उनकी प्रतिभा और उनकी अत्यधिक विनम्रता सीखने के लिए आत्मसात अमिताभ बच्चन से पहले प्रभास ने भी सोशल मीडिया पर वेटेरन एक्टर संग काम करने की खुशी जाहिर करते हुए उनकी प्राशंसा की थी। प्रभास ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ठयह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। लेजेंडरी अमिताभ बच्चन सर के साथ आज 'प्रोजेक्ट के' का पहला शॉट पूरा किया!ठ आपको बता दें कि 'प्रोजेक्ट के' एक पैन इंडिया फिल्म है। जो अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा में है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्रभास के साथ एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका में हैं और उन्होंने हाल ही में हैदराबाद में प्रभास के साथ 'प्रोजेक्ट के' के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी की है। यह एक विशाल सेट हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी में बनाया गया है। 'प्रोजेक्ट के' को अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

मिथुन चक्रवर्ती ने फिल्मों को लेकर कहा- डायलॉग पर ताली पड़नी चाहिए, बाक्स आफिस पर पैसे गिरने चाहिए

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम वीडियो पर वेब सीरीज 'बेस्टसेलर' आज यानी 18 फरवरी को रिलीज हो चुकी है। सीरीज प्रोमो रिलीज के साथ ही चर्चा में आ गई थी। 'बेस्टसेलर' में श्रुति हासन, अर्जन बाजवा, मिथुन चक्रवर्ती, गौहर खान, सत्यजीत दुबे और सोनाली कुलकर्णी जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। मुकुल अभ्यंकर द्वारा निर्देशित यह एक सायकोलॉजिकल थ्रिलर सस्पेंस व ड्रामा सीरीज है। 'बेस्टसेलर' में मिथुन चक्रवर्ती एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आ रहे हैं। वेब शो में अपने किरदार को लेकर मिथुन संजीदा विषयों पर आधारित रही हैं। इस पर वह कहते हैं, 'अब मुझे इन सब चीजों से फर्क नहीं पड़ता कि कमर्शियली फिल्म कैसा प्रदर्शन करेगी। मुझे सिर्फ मेरे रोल और प्रशंसकों की पसंद से फर्क पड़ता है। हां, पहले ध्यान जरूर रखता था कि मेरे गाने, मेरा डांस, मेरे फाइट और एक्शन सीक्वेंस अच्छे होने चाहिए। डायलॉग पर ताली पड़नी चाहिए, बाक्स आफिस पर पैसे गिरने चाहिए। अब सिर्फ काम से संतुष्टि पर ध्यान देता हूं।' आज के दौर में जहां इंटरनेट मीडिया प्रशंसकों से जुड़े रहने का बड़ा माध्यम है, मिथुन उससे दूर हैं।

चक्रवर्ती ने जागरण डॉट कॉम से एक खास बातचीत की। मिथुन कहते हैं, 'शो की कहानी ने मुझे आकर्षित किया। इसमें मेरा किरदार आम एसीपी का नहीं है। वह अपना फूड चैनल चलाता है, खाने की बातें करता है, कुकिंग करता है। बड़ा ही अप्रत्याशित किरदार है। मामले की जांच करते हुए अचानक खाने की ओर मुड़ जाता है और फिर मुद्दे पर लौट आता है। फिर निशाना सीधे लक्ष्य पर लगाता है।' मिथुन की पिछली कुछ फिल्में वह कहते हैं, 'इंटरनेट मीडिया पर हर चीज उंगलियों के इशारे पर उपलब्ध है, लेकिन अब इस पर 70 प्रतिशत चीजें नेगेटिव होने लगी हैं। मैं इन सब चीजों में नहीं पड़ना चाहता हूं।' मौजूदा दौर में स्टार सिस्टम में बदलाव पर मिथुन कहते हैं, 'स्टार्स हमेशा रहेंगे, न्यूकमर्स को भी मेहनत के साथ कदम बढ़ाने पड़ेंगे। हमारे वक्त में भी ऐसा ही था, लेकिन मेरे साथ जिन न्यूकमर्स ने काम किया, मैं सभी के लिए रास्ते बनाता था।

अजय देवगन के साथ काम करने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं ईशा देओल

मुंबई । धूम और नो इंट्री की अभिनेत्री ईशा देओल ने वर्ष 2012 में उद्योगपति भरत तख्तानी से शादी की थी। एक लंबे समय तक वह अभिनय की दुनिया से दूर रहीं। अब वह अजय देवगन की पहली वेब सीरीज 'रुद्रा द एज आफ डार्कनेस'

से वापसी कर रही हैं। अपनी वापसी को लेकर ईशा कहती हैं, मुझे लगता है कि यह शो मेरे लिए भगवान ने भेजा है, जो बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आया है। दो बच्चों की मां बनने के बाद मेरे मन में अपने पहले प्यार अर्थात कैमरा के सामने आने को लेकर कश्मकश चल रही थी। ईशा देओल ने आगे कहा,'ऐसे में रुद्रा बहुत ही सहज तरीके से मेरे पास आया। सबसे बड़ी बात यह कि इसमें मुझे अपने प्रिय दोस्त अजय (अजय देवगन) के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्हें मैं हमेशा से देखती आई हूं और उनकी फैन रही हूं। उनके लिए मेरे मन में हमेशा से बहुत इज्जत रही है। मुझे लगता है कि कैमरे के सामने वापसी के लिए यह सही समय है, क्योंकि मौजूदा समय में विभिन्न प्लेटफार्म पर कलाकारों के लिए ढेर सारे मौके बन रहे हैं। इसके अलावा मेरे उम्र की अभिनेत्रियों के लिए उस तरह के दिलचस्प किरदार गढ़े जा रहे हैं। ब्रिटिश शो लूथर का भारतीय रूपांतरण यह वेब सीरीज चार मार्च को डिजने प्लस हाटस्टार पर रिलीज होगी। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल ने साल 2002 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब वो शादीशुदा हैं और उनके दो बच्चे भी हैं। मां बनने के बाद ईशा देओल एक बार फिर से एक्टिंग में एक्टिव हो गई हैं। 'रुद्र - द एज़ ऑफ डार्कनेस' सीरीज हिंदी के अलावा मराठी, तमिल, तेलुगू, कनन्ड़, मलयालम, और बंगाली में प्रसारित होगी। अतुल कुलकर्णी, तरुण गहलोत, आशीष विद्यार्थी, सत्यदीप मिश्रा और मिलिंद गुणाजी भी इसमें अहम किरदार में नजर आएंगे

सच-झूठ के बीच झूलता टीच स्टूडेंट का माइंड गेम और एक कत्ल पढ़ें पूरा रिव्यू

नई दिल्ली। सच, सच होता है और झूठ, झूठ। इनके बीच अगर कुछ होता है तो वो सब मिथ्या है। जी-5 की वेब सीरीज मिथ्या एक टीचर और स्टूडेंट के बीच माइंड गेम की कहानी है, जिसकी शुरुआत क्लास में होती है और अंत जेल की सलाखों के पीछे। क्लास में शुरू हुआ शह-मात का खेल

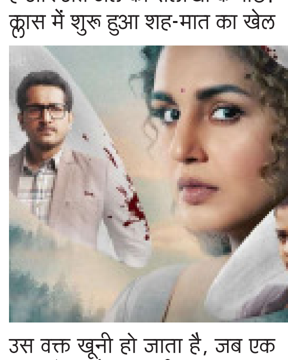

उस वक्त खूनी हो जाता है, जब एक कत्ल होता है। इस बीच बहुत कुछ ऐसा होता है, जो दोनों की निजी जिंदगी से संबंधित और प्रेरित है। मिथ्या बेवफाई, धोखा, नफरत और प्रतिशोध की भी कहानी है। इस सीरीज में दर्शकों को बांधे रखने के लिए पर्याप्त मसाले थे, मगर कमजोर लेखन की वजह से मिथ्या एक बेहतरीन मिस्ट्री-थ्रिलर बनते-बनते रह गयी। मिथ्या के सभी प्रमुख किरदारों के चारित्रिक गुणों-अवगुणों को देखते हुए उन्हें एक्सप्लोर करने की अपार संभावनाएं भी थीं, जिसका फायदा निर्देशक रोहन सिप्पी नहीं उठा सके। कहानी को समेटने की जल्दबाजी के चलते ना तो प्लॉट और ना ही किरदारों को ठीक से पेश किया जा सका। मिथ्या की कथाभूमि दार्जिलिंग है, जहां के एक कॉलेज में जूही अधिकारी (हुमा कुरैशी) हिंदी की प्रोफेसर है। जूही के पिता आनंद त्यागी (रजित कपूर) अंग्रेजी के जाने-माने लेखक रहे हैं, लेकिन जूही ने पिता के नक्शे-कदम पर ना चलते हुए हिंदी को अपना पेशा बनाया। जूही की शादी नील अधिकारी (परमब्रत चटर्जी) से हुई, जो खुद उसी कॉलेज में प्रोफेसर है। जूही अपनी शादी से संतुष्ट नहीं है और साथी प्रोफेसर विशाल (इंद्रनील सेनगुप्ता) को अपनी भावनाओं की संतुष्टि के लिए फेंटेसाइज करती है। इन सबके बीच जूही की परेशानियां उस वक्त बढ़नी शुरू होती हैं, जब वो कॉलेज के ट्रस्टी राजगुरु की बेटी रिया राजगुरु के निबंध पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाती है। दिमाग से शातिर रिया किसी भी कीमत पर इस आरोप को स्वीकार नहीं करती और इस मामले को इतना तूल देती है कि कॉलेज को जूही के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनानी पड़ती है। इसके बाद जूही और रिया के बीच स्थायी रूप से तनाव की गाढ़ी लकीर खिंच जाती है।

कंगना रनोट की जेल में बॉलीवुड और टीवी की ये दो एक्ट्रेस होंगीं बंद, कॉन्ट्रोवर्सी का लगेगा तड़का

नई दिल्ली। कंगना रनोट अपने आने वाले शो 'लॉक अप' को लेकर खासी चर्चा में हैं। शो का फॉर्मेट ही कुछ ऐसा है कि लोग अभी से इसके कंटेस्टेंट्स का नाम जानने की उत्सुक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में पूनम पांडे, शहनाज गिल, अनुष्का सेन और मुनव्वर फारुकी के शामिल होने की खबरें हैं। इसके साथ ही दो नाम और भी सामने आएं हैं, जो

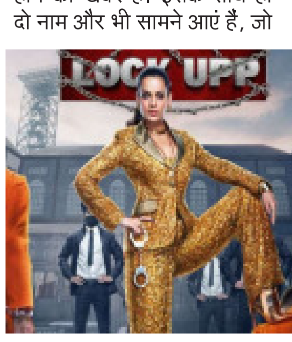

पिछले साल काफी विवादों में छाए रहे थे। कोईमोई के रिपोर्ट्स के मुताबित करण मेहरा की अलग हो चुकी पत्नी निशा रावल और पायल रोहतगी जल्द ही शो में एंट्री करने वालीं हैं। पिछले साल अपने पति करण मेहरा के खिलाफ घरेलू हिंसा का आरोप लगाने के बाद निशा रावल खबरों में छाईं रहीं। तो वहीं दूसरी तरफ पायल रोहतगी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पिछले साल पायल जेल की हवा भी खा चुकीं हैं। बिग बॉस में नजर आ चुकीं ये एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में छाई रहतीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'निशा पूरे तलाक विवाद को लेकर चर्चा में रही हैं। उनका करियर काफी समय से बैकबर्नर पर है क्योंकि वह लंबे समय से अपनी मॉम ड्यूटी में व्यस्त हैं। उन्होंने फील किया कि टीवी पर वापसी का यहीं सही समय है। इसलिए उन्होंने कंगना के लॉक अप में बंद होने का फैसला किया है। इससे पहले खबर आई थी शो में विकास गुप्ता और प्रियांक शर्मा भी एंट्री करने वाले हैं। हालांकि इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। तो ऐसे में हम सिर्फ कयास ही लगा सकते हैं। यह शो ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर 247 लाइव-स्ट्रीम किया जाएगा और प्रतियोगियों को गेम में बने रहने के लिए अपने सिक्रेट्स को उजागर करना होगा। शो में इसलिए ऐसे विवादित सेलेब्स को शामिल किया जा रहा है जिनके बारे में लोग जानना चाहते हैं।

प्लेटफॉर्म्स पर क्राइम सीरीज का बोलबाला, सोनी-लिव के शो 'अनदेखी 2' समेत आ रहे इतने क्राइम ड्रामा, देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर क्राइम सीरीज का जबरदस्त बोलबाला है। तकरीबन हर प्लेटफॉर्म पर एक से बढ़कर एक क्राइम सीरीज मौजूद हैं, जिनमें इंडस्ट्री के कई बेहतरीन कलाकारों ने अहम किरदार निभाये हैं सोनी-लिव पर भी कुछ बेहतरीन क्राइम सीरीज मौजूद हैं, जिनमें से एक अनदेखी है, जिसका दूसरा सीजन अब आने वाला है। प्लेटफॉर्म ने इसकी रिलीज डेट का एलान ट्रेलर के साथ कर दिया है। दूसरे सीजन में अटवाल और उनके विरोधी पूरी ताकत के साथ बदला लेने के लिए लौट आये हैं। दूसरे सीजन का निर्देशन आशीष आर शुक्ला ने किया है, जबकि निर्माता अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बनिजय एशिया हैं। अनदेखी का पहला सीजन 2020 में आया था और इसका निर्देशन भी आशीष आर शुक्ला ने ही किया था। पहले सीजन में 10 एपिसोड्स थे और क्लाइमैक्स एक अहम प्वाइंट पर पहुंच गयी थी। पहले सीजन के क्लाइमैक्स में देखा गया कि तेजी (आंचल सिंह) गंभीर रूप से जख्मी कोयल (अपेक्षा पोरवाल) को रिंकू (सूर्य शर्मा) से बचाने की कोशिश कर रही है। दूसरे सीजन में पोरवाल के किरदार के साथ बदलते हालात को एक्सप्लोर किया गया है। ट्रेलर में म्यांग चांग, नंदीश संधू और तेज सप्रू जैसे नये चेहरे भी नजर आ रहे हैं। शो में दिब्येंदु भट्टाचार्य डीएसपी घोष के किरदार में नजर आएंगे। इनके अलावा हर्ष छाया और अंकुर राठी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। अनदेखी 2 सोनी-लिव पर 4 मार्च को स्ट्रीम किया जाएगा। इस साल कुछ और बेहतरीन क्राइम सीरीज रिलीज के लिए तैयार हैं। इनमें से एक 4 मार्च को डिजने प्लस हॉटस्टार पर आ रही अजय देवगन की डिजिटल डेब्यू वेब सीरीज रूद्र-द ऐज ऑफ डार्कनेस है। इस सीरीज में अजय एक अंडर कवर पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं। इस सीरीज का निर्देशन राजेश मापूसकर ने किया है।

नेटफ्लिक्स ने कुछ दिनों पहले राज एंड डीके निर्देशित क्राइम सीरीज गंस एंड गुलाब्स का एलान किया, जिसमें राजकुमार राव लीड रोल में हैं। जी5 की चर्चित क्राइम वेब सीरीज अभय का तीसरा सीजन भी पाइपलाइन में है। केन घोष निर्देशित अभय 3 की स्टार कास्ट को दिव्या अग्रवाल और तनुज विरवानी ने ज्वाइन किया है। इसके अलावा नेटफ्लिक्स पर शी और दिल्ली क्राइम के भी दूसरे सीजन इस साल आने वाले हैं। एमएक्स प्लेयर पर आश्रम के दो चैप्टर्स के बाद अब दूसरा सीजन आने वाला है। इस सीरीज में बॉबी देओल बाबा निराला के किरदार में नजर आते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।